सर्कारि माध्यमिक शाला आनेकेरे, चन्नरायपट्टण ताहसिल, हासन जिला।

हिन्दी वल्लरी

तृतीय भाषा हिन्दी

दसवीं कक्षा

श्री सुरेश कुमार एम् एल् एम्.ए.बी.एड

हिंदी अध्यापक

सर्कारि माध्यमिक शाला आनेकेरे, चन्नरायपट्टण ताहसिल।

1. मातृभूमि

–भगवतीचरण वर्मा

कवि परिचय :

कवि का नाम : भगवतीचरण वर्मा
जन्म स्थान : उन्नाव जिले के शफिपुर
जन्म तिथि : 30 अगस्त 1903
रचनाएँ : चित्रलेखा, पतन, मेरे नाटक, भूले–बिसरे चित्र आदि।
मृत्यु : 5 अक्तूबर 1981
पुरस्कार : साहित्य अकादमी पुरस्कार
'विचार' और 'नवजीवन' पत्रिकाओं के संपादक थे।

अ. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1) कवि किसे प्रणाम कर रहे हैं?
कवि मातृभूमि (भारत माता) को प्रणाम कर रहे हैं।

2) भारत माँ के हाथों में क्या है?
भारत माँ के एक हाथ में न्याय–पताका, दूसरे हाथ में ज्ञान–दीप है।

3) आज माँ के साथ कौन है?
आज माँ के साथ कोटि–कोटि जन हैं।

4) सभी ओर क्या गूँज उठा है?
सभी ओर जय–हिंद का नाद गूँज उठा है।

5) भारत के खेत कैसे हैं?
भारत के खेत सुहाने, हरे–भरे हैं।

6) भारत भूमि के अंदर क्या–क्या भरा हुआ है?
भारत भूमि के अंदर खनिजों का धन भरा हुआ है।

7) सुख–संपत्ति, धन–धाम को माँ कैसे बाँट रही है?
सुख–संपत्ति, धन–धाम को माँ मुक्त हस्त बाँट रही है।

8) जग के रूप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते हैं?
जग के रूप को बदलने के लिए कवि भारत माता से निवेदन करते हैं।

9) 'जय–हिंद' का नाद कहाँ–कहाँ गूँजना चाहिए?
'जय–हिंद' का नाद सकल नगर और ग्राम में गूँजना चाहिए।

10) कवि मातृभूमि को कितने बार प्रणाम करते हैं?
कवि मातृभूमि को शत–शत बार प्रणाम करते हैं।

11) मुक्त–हस्त से माँ क्या बाँट रही है?
मुक्त–हस्त से माँ सुख–संपत्ति बाँट रही है।
12) भारत के वन–उपवन किससे भरे हैं?
भारत के वन–उपवन फल–फूलें से भरे हैं।
13) भारत माँ के उर में कौन शायित हैं?
भारत माँ के उर में गाँधी, बुद्ध और राम शायित हैं।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) भारत माँ के प्रकृति–सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

भारत माँ की गोद में खेत सुहाने हरे–भरे हैं। सब वन–उपवन फल–फूलों से युक्त हैं। भारत के भूमी में खनिजों का धन भरा हुआ है।

2) मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है?

मातृभूमि के एक हाथ में न्याय–पताका, दूसरे हाथ में ज्ञान–दीप है। मुक्त–हस्त से सुख–संपत्ति, धन–धाम बाँट रही है। माँ के साथ कोटि–कोटि जन हैं। सकल नगर और ग्राम में जय–हिंद का नाद गूँज उठा है इससे मातृभूमि सुशोभित है।

इ. अनुरुपता:

1) वसीयत : नाटक : : चित्रलेख : _____ (उपन्यास)
2) शत–शत : स्विरुक्ति : : हरे–हरे : _____ (युग्म शब्द)
3) बायें हाथ में : न्याय पताका : : दाहिने हाथ में : _____ (ज्ञान दीप)
4) हस्त : हाथ : : पताका : _____

इ. जोड़कर लिखिए :

1) तेरे उर में शायित	–	गाँधी, बुद्ध और राम
2) फल–फूलों से युत	–	वन–उपवन
3) एक हाथ में	–	न्याय–पताका
4) कोटि–कोटि हम	–	आज साथ में
5) मातृ–भू	–	शत–शत बार प्रणाम

ई. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

1) कवि मातृभूमि को शत–शत बार प्रणाम कर रहे हैं।
2) भारत माँ के उर में गाँधी, बुद्ध और राम शायित हैं।
3) वन, उपवन फल–फूलों से युक्त है।
4) मुक्त हस्त से मातृभूमि सुख–संपत्ति बाँट रही है।
5) सभी ओर जय–हिंद का नाद गूँज उठे।

2. कश्मीरी सेब

– प्रेमचन्द

लेखक का परिचय :

कवि: प्रेमचन्द

जन्म काल: 31 जुलाई 1880

जन्म स्थल: वारणासी के पास लमही नामक गाँव।

प्रमुख कृतियाँ: उपन्स – गोदान, सेवासदन, गबन, निर्मल, कर्मभूमि,
कहनियाँ – नमक का दरोगा, पंच परमेश्वर, पूस की रात आदि।

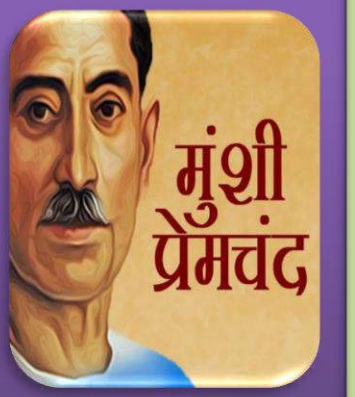

एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1) लेखक चीजें खरीदने के लिए कहाँ गये थे?

उ: लेखक चीजे खरीद ने के लिए चौक पर गये थे।

2) लेखक को क्या नज़र आया?

उ: लेखक को दुकान पर बहुत अच्छे रंगदार गुलाबी रंग का सेब नज़र आये।

3) लेखक का जी क्यों ललच उठा?

उ: रंगदार गुलाबी सेब को देखकर ललच उठा।

4) टमाटो किसका आवश्यक अंग बन गया है?

उ: टमाटो खाने का आवश्यक अंग बन गया है।

5) स्वाद में सेब किससे बढ़कर नहीं है?

उ: स्वाद में सेब आम से बढ़कर नही है।

6) रोज एक सेब खाने से किनकी जरुरत नहीं होगी?

उ: रोज एक सेब खाने से डांक्टर की जरुरत नहीं होगी।

II दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1) आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है?

उ: आजकल शिक्षित समाज में विटमिन और प्रोटीने के बारे में विचार किया जाता है।

2) दुकानदार ने लेखक से क्या कहा?

उ: दुकानदार ने लेखक से कहा कि "बाबूजी बड़े मजेदार सेब आए हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाए खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।

3) दुकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा?

उ: दुकानदार ने अपने नौकर से कहा कि "अरे सुनो, आधा सेर कश्मीरी सेब निकाल ला। चुनकर लाना।

4) सेब की हालत के बारे में लिखिए।

उ: पहला सेब सड़ा हुआ था। एक रुपाए के आकार का छिलका गल गया था। दूसरा सेब आधा सड़ा हुआ था। तीसरा सेब एक तरफ दबकर बिलकुल पिचक गया था। और चोथा सेब में काला सुराख था जैसे अक्सर बेरों में होता है। चारों में चारों ही खराब थे।

5) कश्मीर सेब पाठ से क्या सीख मिलता है?

उ: कश्मीर सेब कहनी से हमें यह सीख मिलती हैं कि अगर खरीदारी करते समय सावधानी नही बरते तो धोखा खाने की संभवना होती है। साथ ही विटमिन और प्रोटीन के बारे में भी जानकारी मिलती है।

III जोड़कर लिखिए।

अ	आ	
1. सेब को रुमाल में बाँधकर	प्रातः काल है।	अ) मुझे दे दिया।
2. फल खाने का समय तो	मुझे दे दिया।	आ) प्रातःकाल है।
3. एक सेब भी खाने	बनी हुई थी।	इ) लायक नही।
4. व्यापारियों की साख	लायक नही।	ई) बनी हुई थी।

IV. विलोम शब्द लिखिए।

शाम x सुबह, खरीदना x बेचना, बहुत x कम,
अच्छा x बूरा, शिक्षित x अशिक्षित, अवश्यक x अनावश्यक,
गरीब x अमीर, रात x दिन, संदेह x निस्संदेह,
साफ x मैला, बेईमान x ईमान, विश्वास x अविश्वास,
सहयोग x असहयोग, हानी x लाभ, पास x दूर,
गम x खुश

V. अन्यवचन रुप लिखिए।

चीज – चीजें रास्ता – रास्तें फल – फल

घर – घर　　रुपाए – रुपाया　　आँखे – आँख

कर्मचारी – कर्माचारियाँ　　व्यापारी –व्यापारियाँ　　रेवड़ी – रेवड़ियाँ

दुकान – दुकानें

VI. अनुरुपता :

1. केला : पीला रंग : : सेब : गुलाबीरंग
2. सेब : फल : : गाजर : सब्जी
3. नागपुर : संतरा : : कश्मीर : सेब
4. कपड़ा : नापना : : टमाटो : तौलना

VII. प्रत्येक शब्द के अंतिम अक्षर से एक और शब्द बनाइए।

1. दुकान – नज़र – रजत – तमाम
2. बाज़ार – रमजान – नमन – नकुल – लाजवाब
3. रुमाल – लायक – कमल – लकीर – रवी
4. लेखक – कागज – जलन – नमक – कमर

VIII. निम्न लिखित वाक्यों को सही क्रम से लिखिए।

1. गाजर गरीबों भी पहले के पेट की चीज भरने थी।

   गाज़र भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज थी।

2. अब चीज़ न्हीं है वह केवल स्वाद की।

   अब वह केवल स्वाद की चीज़ नही है।

3. नहीं लायक खाने भी सेब एक।

   एक सेब भी खाने लायक नहीं।

4. मालूम हुई घर आकर अपनी भूल।

   घर आकर अपनी भूल मालूम हुई।

IX. अपनी मातृभाषा कन्नड़ या अंग्रेजी में अनुवाद कीजीए।

1. गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी।

   ಗಜ್ಜರಿ(ಕ್ಯಾರೇಟ್) ಯು ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು.

2. दुकानदार ने कहा – बड़े मज़ेदार सेब आए है।

   ಅಂಗಡಿಯವನು ಹೇಳಿದನು ಬಹಳ ಸ್ವಾದಿಷ್ಟವಾದ ಸೆಬುಗಳು ಬಂದಿವೆ.

3. एक सेब भी खाने लायक नहीं।

   ಒಂದು ಸೇಬು ಹಣ್ಣು ಕೂಡ ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಗಿಲ್ಲ.

4. दुकानदार ने मुझसे क्षमा माँगी।

ಅಂಗಡಿಯವನು ನನಗೆ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದ.

3. गिल्लू

–महादेवी वर्मा

लेखक का परिचय :

लेखक : महदेवी वर्मा जी (आधुनिक मीरा)

जन्म काल : 24 मार्च 1907

जन्म स्थल : फारुखाबाद में

प्रमुख कृतियाँ : नीहार, दीपशीख, यामा, सांध्यगीत, अतीत के चलचित्र, पथ के साथी

अ. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1) महादेवी वर्मा की किस कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है?
महादेवी वर्मा की यामा कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है।

2) लेखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा है?
लेखिका ने कौए को विचित्र पक्षी कहा है क्यों कि एक साथ समादरित, अनादरित, अति सम्मानित, अति अवमानित है।

3) गिलहरी का बच्चा कहाँ पड़ा था?
गिलहरी का बच्चा गमले से चिपका पड़ा था।

4) लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया?
लेखिका ने गिल्लू के घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

5) लेखिका को किस कारण से अस्पताल में रहना पड़ा?
लेखिका को मोटर–दुर्घटना में आहत होकर अस्पताल में रहना पड़ा।

6) गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था?
गिलहरी का प्रिय खाद्य काजू था।

7) वर्मा जी गिलहरी को किस नाम से बुलाती थी?
वर्मा जी गिलहरी को गिल्लू नाम से बुलाती थी।

8) गिलहरी का लघु गात किसके भीतर बंद रहता था?
गिलहरी का लघु गात लिफाफे के भीतर बंद रहता था।

9) गिलहरी गर्मी के दिनों में कहाँ लेट जाता था?
गिलहरी गर्मी के दिनों में सुराही पर लेट जाता था।

10) गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया कितनी होती है?

गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया दो वर्ष होती है।

11) गिलहरी की समाधि कहाँ बनायी गयी है?

गिलहरी की समाधि सोनजुही की लता के नीचे है।

12) गिलहरी का बच्चा कहाँ से गिर पड़ा था?

गिलहरी का बच्चा घोंसले से गिर पड़ा था।

13) गिल्लू की आँखें कैसी थी?

गिल्लू की आँखें काँच के मोतियों जैसी थी।

14) वर्मा जी ने डलिया कहाँ लटका दिया?

वर्मा जी ने डलिया खिड़की पर लटका दिया।

15) गिल्लू को किस की लता सबसे अधिक प्रिय थी?

गिल्लू को सोनजुही की लता सबसे अधिक प्रिय थी।

16) आधुनिक मीरा किसे कहते है?

महदेवी वर्माजी को आधुनिक मीरा कहा जाता है।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?

लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरा करता था।

2) वर्मा को चौंकाने के लिए वह कहाँ–कहाँ छिप जाता था?

वर्मा को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था।

3) लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखायी पड़ी?

लेखिका ने गिलहरी को ऐसी स्थिति में दिखायी पड़ी कि एक छोटा–सा बच्चा वह घोंसले से गिर पड़ा है अतः वह निश्चेष्ट–सा गमले से चिपका पड़ा था।

4) लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये?

लेखिका ने गिल्लू के प्राण इस तरह बचाया कि उसे हौले से उठाकर अपने कमरे में लाये, फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

5) गिल्लू ने लेखिका की गैरहाजरी में दिन कैसे बिताये?

जब लेखिका अस्पताल में थीं तब उनके कमरे का दरवाजा खोला जाता, गिल्लू अपने झूले से उतरकर दौड़ता और फिर किसी दूसरे को देखकर तेजी से अपने घोंसले में जा बैठता। अपना प्रिय खाद्य बहुत कम खाता रहा।

इ. चार–छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) लेखिका ने गिलहरी को क्या–क्या सिखाया?

लेखिका ने गिलहरी को थाली के पास बैठना सिखाया, थाली में से एक–एक चावल उठाकर सफाई से खाना सिखाया और प्रेमभाव सिखाया।

2) गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए।

गिल्लू दिन भर न कुछ खाया न बाहर गया। पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि मैने जागकर हीटर

जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया परंतु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।

3) गिल्लू के कार्य कलाप के बारे में लिखिए।

जब लेखिका लिखने बैठती तब अपनी ओर ध्यान आकर्षित करने गिल्लू लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता। कमरे से बाहर जाने पर वह भी की खुली जाली की राह से बाहर चला जाता और दिन भर गिलहरियों के झुण्ड का नेता बना रहता। हर डाल पर उछलता–कूदता रहता और ठीक चार बजे वह खिडकी से भीतर आकर अपने झूले में झूलने लगता था।

4) गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए।

महादेवी वर्मा ने पहले उस घायल गिलहरी को बचाकर प्यार दिया, पोषित किया, उस गिल्लू ने भी उसी तरह प्यार दिखाया। इन विचारों को इन संदर्भों में देख सकते हैं बचाने पर वह उँगली पकड़कर रहा। मोटर दुर्घटना में कुछ न खाया। वापस आने पर वर्मा को सहलाया।

ई. रिक्त स्थान भरिए :

1) यह काकभुशुण्डि भी विचित्र पक्षी है।
2) उसी बीच मुझे मोटर दुर्घटना में आहत होकर कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा।
3) गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आ ही गया।
4) मेरे पास बहुत पशु–पक्षी हैं।
5) गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत आया।

अनुरुपता:–

1. सन् 1907 : महादेवी वर्माजी का जन्म : : सन् 1987 : महादेवी वर्माजी का जन्म
2. गुलाब : पौधा : : सोनजुही : लता
3. हंस : सफेद : : कौआ : काला
4. बिल्ली : म्याऊँ – म्याऊँ : : गिल्लू : चिक – चिक

उ. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1) ಎಷ್ಟೋ ಗಂಟೆಗಳ ಉಪಚಾರದ ನಂತರ ಬಾಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರನ್ನು ಹಾಕಿದರು.
2) ಇಂತಹ ಒಂದು ಸಣ್ಣ ಜೀವಿಯನ್ನು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಸಾಕಿದ ನಾಯಿ, ಬೆಕ್ಕುಗಳಿಂದ ರಕ್ಷಿಸುವುದು ಕೂಡ ಒಂದು ಸಮಸ್ಯೆಯಾಗಿತ್ತು.
3) ಗಿಲ್ಲು ದಿನವೆಲ್ಲ ಏನನ್ನು ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ ಹೊರಗಡೆಯೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.
4) ಗಿಲ್ಲು ನನ್ನ ಹತ್ತಿರವಿದ್ದ ಹೂಜಿಯ(ಮಡಕೆ) ಮೇಲೆ ಮಲಗುತ್ತಿತ್ತು.

दिए – गए सही स्त्री लिंग शब्दों को चुनकर संबंधित पुल्लिंग शब्द के आगे लिखिए।

(मयूरी, लेखिका, श्रीमती, कृतियाँ)

पुल्लिंग		स्त्री लिंग
1. लेखक	–	लेखिका

2. मयूर – मयूरी

3. श्रीमान – श्रीमती

4. कुत्ता – कुत्तिया

वचन बदलिए।

1. उंगली – उंगलियाँ
2. आँख – आँखे
3. पूँछ – पूँछें
4. फूल – फूल

4. अभिनव मनुष्य

– **रामधारीसिंह दिनकर**

कवि परिचय :

कवि का नाम : रामधारीसिंह 'दिनकर'
जन्म स्थान : बिहार प्रांत के मुंगेर जिला
जन्म तिथि : 1904
रचनाएँ : हुँकार, रेणुका, रसवंती, कुरुक्षेत्र, बापू, आदि।
मृत्यु : 1974
पुरस्कार : साहित्य अकादमी पुरस्कार

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) आज की दुनिया कैसी है?
आज की दुनिया विचित्र और नवीन है।
2) मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है?
मानव के हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता और उतरता है।
3) परमाणु किसे देखकर काँपते हैं?
परमाणु मानव के करों को देखकर काँपते हैं।
4) 'अभिनव मनुष्य' कविता के कवि का नाम लिखिए।
अभिनव मनुष्य कविता के कवि हैं रामधारीसिंह 'दिनकर'
5) आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है?
आधिनिक पुरुष ने प्रकृति के हप तत्व पर विजय पायी है।
6) नर किन–किन को एक समान लाँघ सकता है?

नर सरित, गिरि, सिन्धु को एक समान लाँघ सकता है।

7) आज मनुष्य का यान कहाँ जा रहा है?
आज मनुष्य का यान गगन में जा रहा है।

8) मानव के करों में क्या बँधे हैं?
मानव के करों में वारि, विद्युत और भाप बँधे हुए हैं।

9) मानव किसका आगार है?
मानव ज्ञान, विज्ञान और आलोक का आगार है।

10)मानव में किसकी जानकारी है?
मानव में व्योम से लेकर पाताल तक की सब कुछ जानकारी है।

11)मानव की जीत किस पर होनी चाहिए?
मानव की बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत होनी चाहिए।

12)मानव की सिद्धि किसमें है?
मानव–मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधने में मानव की सिद्धि है।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' – इस पंक्ति का आशय समझाइए।
'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' – इस पंक्ति का आशय है कि मानव भूमि पर रहकर ही पानी विद्युत, हवा आदि को अपने हाथों में रख लिया है। जैसा चाहता है वैसा उसका उपयोग कर सकता है। वैज्ञानिकता में उन्नति के कारण उसकी कल्पना आसमान की ऊँचाई तक पहुँची है।

2) दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है?
दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय यह है कि आज मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है। यह उसकी साधना है। मानव–मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धि है। इसलिए हर एक व्यक्ति से मानवता अधिक मोल है।

3) इस कविता का दूसरा कौन सा शीर्षक हो सकता है? क्यों?
इस कविता को यह शीर्षक ही उचित है क्यों कि आधुनिक युग में हर एक व्यक्ति नये विचारों को ही सोचता है नये कामों की खोज में ही है। बढ़ती वैज्ञानिकता के साथ यह भी बढ़ता जा रहा है।

4) आधुनिक मानव की भौतिक साधना का वर्णन कीजिए।

उ: कवि दिनकरजी यह कहना चाहते हैं कि आज की दुनिया बड़ी विचित्र हैं और नवीन भी। आज प्रकृति के सर्व क्षेत्रों पर विजय पाकर मानव आसीन है। मानव के हुकुम पर पवन का ताप चढ़ता–उतर्ता है। नदी, सागर, पर्वत को एक समान लाँघ सकता है। आज उसका यान गगन में जा रहा हैं। अंतरिक्ष से पाताल तक की जानकारी रखता है। य ज्ञान विज्ञान और अलौक का आगार है।

पध्य भाग का भावार्थ लिखिए।

यह मनुज, जो सृष्टि का आगार।

ज्ञान का विज्ञान का, आलोक का आगार।

व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है श्रेय,

पर, न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय।

उ: कवि दिनकर जी यह कहना चाहते हैं कि, यह मानव सृष्टि का शृंगार किया हैं। ज्ञान का विज्ञान का प्रकाश का आगर है। आकाश से पाताल तक सब कुछ इसे ज्ञान है। पर यह मनुज का परिचय नहीं है। यह न उसका श्रेय भी है।

उदा: के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए।

उदा: नवीन – आसीन 1. भाप – ताप 2. व्यवधान – सावधान 3. शृंगार – आगार

4. ज्ञेय – श्रेय 5. जित – प्रीत

पक्तियाँ पूर्ण कीजीए।

1. आज की दुनिया विचित्र नवीन ।
2. प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन।
3. है बंधे नर के करों में वारी विध्युत, बाप
4. हुकुम पर चढ़ता–उतरता है पवन का ताप।

एक शब्द लिखिए।

1. आसान पर बैठा हुआ, आसीन
2. बचा हुआ– शेष
3. मनु की संतान – मनुज
4. विशेष ज्ञान – विज्ञान
5. अधिक विध्या प्राप्त – विध्वान

अनुरुपता:–

1. गिरी : पहाड़ : : वारी : जल
2. पवन: वायु : : सिंधु : सागर
3. ज़मीन : आसमान : : आकाश : पाताल
4. नर : आदमी : : उर : छाती

5.मेरे बचपन

डां ए.पि.जे. अब्दुल कलाम जी

लेखक कार : APJ अब्दुल कलामजी (औल फकीर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम)

जन्म काल: 15 अक्तोंबर 1931

जन्म स्थल : तमिलुनाडु के रामेश्वरम्

कृतियाँ : अग्नी की उड़ान, इंडिया विज़न 2020.

एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. अब्दुल कलाम जी का जन्म कहाँ हुआ?

उ: अब्दुल कलामजी का जन्म तमिलनाडू के रामेश्वरम में हुआ।

2. अब्दुल कलामजी बचपन में किस घर में रहते थे?

उ: अब्दुल कलामजी बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

3. अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी?

उ: अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु पुस्तक थी।

4. अब्दुल कलामजी के चचेरे भाई कौन थे?

उ: अब्दुल कलामजी के चचेरे भाई शम्सुद्दीन थे।

5. जैनुलाबदीन ने कौन–सा काम शुरु किया?

उ: जैनुलाबदीन ने लकडी की नौकाएँ बनाने का काम शुरु किया।

6. जैनुलाबदीन कैसे व्यक्ति थे?

उ: जैनुलाबदीन आडंबर हीन व्यक्ति थे।

७. बालक कलामजी का बचपन कैसे बीता?

उ: बालक कलामजी का बचपन सादगी और निश्चिंतता से बीता।

8. रामेश्वरम् इस कारण प्रसिद्ध है?

उ: रामेश्वरम् शिवमंदिर के कारण प्रसिद्ध है।

9. जलालुद्दीन कलामजी को क्या कहकर पुकारते थे?

उ: जलालुद्दीन कलामजी को “आज़ाद” कहकर पुकारते थे।

10. शम्सुद्दीन क्या काम करते थे?

उ: शम्सुद्दीन रामेश्वरम में अखबारों के एकमात्र वितरक थे।

11. बालक कलाम के बचपन के दोस्त कौन–कौन थे?

उ: बालक कलाम के बचपन के दोस्त अरविंदन, शिवप्रकाश, और रामानंद शास्त्री थे।

दो –तीन वाक्या में उत्तर लिखिए।

1. अब्दुल कलामजी का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने के कारण लिखिए।

उ: अब्दुल कलामजी के पित आदंबर हीन व्यक्ति थे और सभी ऐशो–आरामवाली चीजोंसे दूर रहते थे। पर घर में सभी आवश्यक चीजे समुचित मात्र में सुलभता से उपलब्ध थी। इस प्रकार अब्दुल कलामजी का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता।

2. शियम्माजी अब्दुल कलामजी को खाने में क्या–क्या देती थी।

उ: आशियम्मा कलामजी के सामने केले का पत्ता बिछाती और फिर उस पर चावल एवं सुगंधितस्वादिष्ट सांबर डालती, साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताजी चटनी भी देती।

3. जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में क्या कहते थे?

उ: जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते हैं कि जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतरब्रम्हांड काएक हिस्सा बन जाते हो, जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म का कोई भेद भाव नहीं होता।

4. जैनुलाबदीन ने कौन–सा काम शुरु किया?

उ: अब्दुल कलामजी के पिताजी जैनुलाबदीन स्थानीय ठेकेदार अहमद जलालुद्दीन के साथ समुद्र तट के पास नौकाएँ बनाने का काम शुरु किया।

चार– पाँच वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. शम्सुद्दीन अखबारोम के वितरण का काम कैसे करते थे?

उ: शम्सुद्दीन रामेश्वरम में अखबारों के एक्मात्र वितरक थे। अखबर रामेश्वरम स्टेशन पर सुबह की ट्रैनसे पहुँचते थे। जो पामबन से आती थी। इस अखबार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दिन ही चलाते थे। रामेश्वरम में अखबारों की जुमला एक हज़ार प्रतियाँ बिकती थी।

इन मुहावरों पर ध्यान दीजिए।

1. पौ फटना – प्रभात होना।
2. इस्तेमाल होना।

अन्य वचन रुप लिखिए।

1. बच्चा – बच्चें
2. गली – गलियाँ
3. केला – केले
4. नौका– नौकाएँ
5. प्रतियाँ – प्रति
6. पुस्तकें – पुस्तक

विलोम शब्द लिखिए।

1. बहुत x कम
2. शाम x सुबह
3. सफल x विफल / असफल
4. अच्छा x बूरा
5. बड़ा x छोटा
6. अपना x पराया

रिक्त स्थान भरिए।

1. आशीयम्मा उनकी आदर्श जीवन संगिनी थी।
2. रामेश्वरम प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है।
3. पुजारी पक्षी लक्षमण शास्त्री मेरे पिताजी के अभिन्न मित्र थे।
4. अखबार एजैंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे।
5. अहमद जलालुद्दीन की जोहारा के साथ शादी हो गई।

अनुरुपता।

1. गांधीजी : राष्ट्रपिता : : अब्दुल कलाम : राष्ट्रपति
2. जलालुद्दीन : जीजा : : शमसुद्दीन : चचेरे भाई
3. ट्रेन : भू – यात्रा : : नौका : जल यात्रा
4. हिंदू : मन्दिर : : इस्लाम : मस्जिद

6. बसंत की सच्चाई

–विष्णु प्रभाकर

लेखक का परिचय : विष्णु प्रभाकर

जन्म काल : 1912

जन्म स्थल : उत्तर प्रदेश के मीरपुर में

कृतियाँ : आवारा मसीहा, तट के बंधन, निशिकांत, दर्पण का व्यक्ति।

अ. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1) बसंत क्या–क्या बेचता था?
   बसंत छलनी, बटन और दियासलाई बेचता था।
2) बसंत के भाई का नाम क्या था?
   बसंत के भाई का नाम प्रताप था।
3) पंडित राजकिशोर क्या काम करते थे?
   पंडित राजकिशोर मजदूरों के नेता थे, लेक्चर देते थे।
4) छलनी का दाम क्या था?
   छलनी का दाम दो आने (12पैसे) था।
5) बसंत और प्रताप कहाँ रहते थे?
   बसंत और प्रताप भीखू अहीर के घर में रहते थे।
6) बसंत की सच्चाई एकांकी में कितने दृश्य हैं?
   बसंत की सच्चाई एकांकी में तीन दृश्य हैं।
7) एकांकी का प्रथम दृश्य कहाँ घटता है?
   एकांकी का प्रथम दृश्य बाजार में घटता है।
8) बसंत के घर पर डॉक्टर को कौन ले आता है?
   बसंत के घर पर डॉक्टर को अमरसिंह ले आता है।
9) पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण क्या है?
   पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण ईमानदार है।
10) पं. राजकिशोर कहाँ रहते थे?
    पं. राजकिशोर किशनगंज में रहते थे।
11) भीखू अहीर का घर कहाँ था?
    भीखू अहीर का घर अहीर टीले में था।
12) बसंत ने पं. राजकिशोर को क्या बेचा था?
    बसंत ने पं. राजकिशोर को छलनी बेचा था।
13) बसंत की टाँगें किसके नीचे कुचली गई?
    बसंत की टाँगें मोटर के नीचे कुचली गई।
14) डॉक्टर का नाम क्या था?
    डॉक्टर का नाम वर्मा था।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) छलनी से क्या–क्या कर सकते हैं?
   छलनी से दूध, चाय, कॉफी छान सकते हैं।
2) बसंत राजकिशोर से क्या विनती करता हैं?
   बसंत राजकिशोर से यह विनती करता है कि साहब! छलनी लीजिए, बटन देशी है और दियासलाई लीजिए। साहब! एक तो ले लीजिए।
3) बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है?

बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से इनकार इसलिए करता है कि वह उसे भीख समझता था, भीख माँगकर जीने की आशा नहीं थी।

4) बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा?

बसंत राजकिशोर के पास इसलिए नहीं लौटा कि भुना लाते समय मोटर के नीचे अपनी दोनो टाँगें कुचली थी।

5) प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया?

प्रताप राजकिशोर के घर इसलिए आया कि अपना भाई ने इनको छलनी बेची थी। भुना देने के लिए आया था।

6) बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए किस तरह प्रेरित किया?

बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए इस तरह प्रेरित किया– साहब! सुबह से कुछ नहीं बिका, आपसे आशा थी। साहब एक तो लीजिए।

7) बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने क्या कहा?

बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने कहा–ऐसा लगता है कि पैर की हड्डी टूट गई है। स्क्रीन करके देखना होगा। दूसरा पैर ठीक है। इसे अभी अस्पताल ले जाना चाहिए।

इ. चार–छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) बसंत ईमानदार लड़का है। कैसे?

बसंत सचमुच एक ईमानदार लड़का है। वह स्वाभिमानी था। किसी से कुछ न माँगता, भीख न माँगता, खुद कुछ सामान बेचकर अपनी कमाई से जीवन करता था। साथ ही भाई प्रताप को पालता था। पैर कुचलने पर भी अपने भाई प्रताप को भुना देकर आने कहा। डॉक्टर जब इंजक्शन दे रहे थे तब उनसे कहा मैं गरीब हूँ। इस तरह वह किसी से सहायता न लेना चाहता था।

2) बसंत और प्रताप अहीर के घर में क्यों रहते हैं?

बसंत और प्रताप दोनों के सिवा और कोई सदस्य नहीं थे। वे दोनों मेहनत से ही अपना जीवन बिताते थे। इनके माँ–बाप दंगों के समय मारे गये थे। इसलिए अहीर के घर में रहते थे।

3) राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए।

राजकिशोर एक समाज सेवक थे। वे सचमुच एक भावनातीत व्यक्ति थे। बसंत के दुःख को जान सके और छलनी ले लिये। जब प्रताप द्वारा भुना मिलने पर उसकी ईमानदारी से प्रेरित हुए। बसंत की दुर्घटना की खबर सुनते ही उसकी सेवा करने के लिए आगे आये।

ई. किसने कहा? किससे कहा?

1) "नहीं साहब, नहीं। मैं पैसे नहीं लूँगा।"

बसंत ने कहा । राजकिशो से कहा ।

2) "आप क्या कर रहे हैं? मैं गरीब हूँ।"

बसंत ने कहा । डॉक्टर से कहा ।

3) "आज दोपहर को उसने आपको एक छलनी बेची थी।"

प्रताप ने कहा । राजकिशोर से कहा ।

उ. रिक्त स्थान भरिए :

1) मैं अभी बाजार से <u>भुना</u> लाता हूँ।

2) मैं आपके साढ़े चौदह आने लाया हूँ।
3) हम दोनों भीखू अहीर के घर में रहते हैं।
4) मैं एम्बुलन्स के लिए फोन कर आता हूँ।
5) इसमें एक दुर्लभ गुण है यह ईमानदारी है।

7. तुलसी के दोहे

– गोस्वामी तुलसीदास

कवि परिचय :

कवि का नाम : गोस्वामी तुलसीदास
जन्म स्थान : उत्तर प्रदेश के राजापुर
जन्म तिथि : 1532
रचनाएँ : रामचरित मानस, कवितावली, दोहावली, गीतावली
मृत्यु : 1623

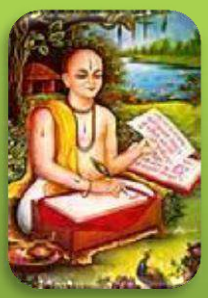

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) तुलसीदास मुख को क्या मानते हैं?
तुलसीदास मुख को मुखिया मानते हैं।
2) मुखिया को किसके समान होना चाहिए?
मुखिया को मुख के समान होना चाहिए।
3) हंस का गुण कैसा होता है?
हंस का गुण संत(साधु) जैसा होता है।
4) मुख किसका पालन–पोषण करता है?
मुख शरीर के सारे अंगों का पालन–पोषण करता है।
5) दया किसका मूल है?
दया धर्म का मूल है।
6) तुलसीदास किस शाखा के कवि हैं?

तुलसीदास रामभक्ति शाखा के कवि हैं।

7) तुलसीदास के माता–पिता का नाम क्या था?
तुलसीदास के माता का नाम हुलसी और पिता का नाम आत्माराम था।

8) तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था?
तुलसीदास के बचपन का नाम रामबोला था।

9) पाप का मूल क्या है?
पाप का मूल अभिमान है।

10)तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी कौन हैं?
तुलसीदाक के अनुसार विपत्ति के साथी विद्या, विनय, विवेक हैं।

11)सृष्टिकर्ता ने इस संसार को किससे बनाया है?
सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड़–चेतन, गुण–दोषों से बनाया है।

12)तुलसीदास के अनुसार मानव कब तक दयालु बनकर रहना चाहिए?
तुलसीदास के अनुसार जब तक मानव के शरीर में प्राण रहता है तब तक दयालु बनकर रहना चाहिए।

13)राम पर भरोसा करनेवाला मानव क्या बनता है?
राम पर भरोसा करनेवाला मानव साहसी, सत्यव्रती और सुकृतवान बनता है।

14)राम नाम जपने से क्या होता है?
राम नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) मुखिया को मुख के समान होना चाहिए। कैसे?
मुखिया को मुख के समान होना चाहिए। मुँह खाने–पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता–पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन–पोषण करता है। तुलसी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरफ से करें लेकि उसका फल सभी में बाँटे।

2) मनुष्य को हंस की तरह क्या करना चाहिए?
हंस दूध और पानी को मिलाकर देने से केवल दूध को ही ग्रहण कर लेता है, उसी प्रकार मनुष्य को पानी रूपी विकारों(दोष) को छोड़कर दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

3) मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश कब फैलता है?
मनुष्य, जीवन में दयालु बनकर रहना चाहिए। देहरी पर दिया रखने से अंदर और बाहर प्रकाश जिस प्रकार फैलता है उसी प्रकार राम–नाम जपने से मनुष्य की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है। चारों ओर प्रकाश फैलता है।

8. इंटरनेट–क्रांति

अ. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1) इंटरनेट का अर्थ क्या है?

इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

2) संचार और सूचना क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है?

इंटरनेट संचार और सूचना क्षेत्र में आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

3) इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकता है?

इंटरनेट बैंकिंग द्वारा रकम (धनराशि) भेजा जा सकता है।

4) प्रगतिशील राष्ट्र किसके द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं?

प्रगतिशील राष्ट ई–गवर्नेन्स (ई–प्रशासन) के द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं।

5) समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है?

समाज के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का योगदान है।

6) इंटरनेट–क्रांति का असर किस पर पड़ा है?

इंटरनेट–क्रांति का असर बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों पर पड़ा है।

7) रोहन के पिताजी ने उसको क्या सुझाव दिया?

रोहन के पिताजी ने उसको सुझाव दिया कि अपने कंप्यूटर शिक्षक से पूछताछ करे।

8) आई.टी.ई.एस का विस्तृत रूप क्या है?

इनफारमेशन टैक्नोलजी एनेबल्ड सर्विसस।

9) आज का युग कैसा युग है?

आज का युग इंटरनेट युग है।

10) इंटरनेट के उपयोग से क्या बढ़ गया है?

इंटरनेट के उपयोग से इनसानी सोच का दायरा बढ़ गया है।

11) इंटरनेट कितना आवश्यक हो गया है?

इनसान के लिए खान–पान जितना जरूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक हो गया है।

12) सोशल नेटवर्किंग के साइट्स कौन–से हैं?

सोशल नेटवर्किंग साइट्स हैं–फेसबुक, आरकुट, ट्वि र, लिंकडइन आदि।

13) किसके बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं?

इंटरनेट के बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं।

14) किसने मानव–जीवन को सुविधाजनक बनाया है?

वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव–जीवन को सुविधाजनक बनाया है।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) इंटरनेट का मतलब क्या है?

इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

2) व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है?

इंटरनेट द्वारा घर बैठे–बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। समय बच जाता है।

इंटरनेट इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

3) ई–गवर्नेंस क्या है?

ई–गरर्नेंस द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

4) संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है?

संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट द्वारा पल भर में, बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो,वीडियो चित्र हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। यह आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

5) 'वर्चुअल मीटिंग रूम' के बारे में लिखिए ।

'वर्चुअल मीटिंग रूम' एक काल्पनिक सभागार है, जिसमें कई लोगों के साथ 8–10 टी.वी. के परदे पर एक साथ चर्चा होती है।

6) 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है। कैसे?

'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। इसके कई साइट्स हैं। इन साइटों के कारण देश–विदेश के लोगों की रहन–सहन, वेश–भूषा, खान–पान के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।

7) इंटरनेट से कौन सी हानियाँ हो सकती हैं?

इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग आदि बड़ रही हैं। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं। वक्त का दुरुपयोग होता है। बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं।

8) इंटरनेट का उपयोग किन क्षेत्रों में हो रहा है?

इंटरनेट का उपयोग चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि क्षेत्रों में हो रहा है।

9) इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। कैसे?

इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। उसने जीवन के हर क्षेत्र में अपना कमाल दिखाया है। जैसे– चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि। यहाँ तक कि देश के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।

10) संचार माध्यम कौन–से हैं, उनका उपयोग कैसे होता है?

संचार माध्यम हैं–समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, दूरभाष, दूरदर्शन, इंटरनेट आदि साधन जिनका उपयोग सूचनाओं के संदेशवहन के लिए किया जाता है।

इ. जोड़कर लिखिए :

1) इंटरनेट ने पूरे विश्व को – एक छोटे गाँव का रूप दे दिया है।
2) इंटरनेट द्वारा कोई भी – बिल भर सकते हैं।
3) इंटरनेट समाज के लिए – बहुत बड़ा वरदान साबित हुआ।
4) इंटरनेट की वजह से – पैरसी, हैकिंग आदि बढ़ रही है।
5) इंटरनेट से सबको – सचेत रहना चाहिए। 9

उ. रिक्त स्थान भरिए :

1) इंटरनेट एक तरह से विश्वव्यापी कंप्यूटरों का अंतर्जाल है।
2) आई. टी और आई. टी. ई. एस से अनगिनत लोगों को रोज़गार मिला है।
3) सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं।
4) ई–गवर्नेंस से प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।
5) इंटरनेट सचमुच एक वरदान है।
6) देश के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।
7) इंटरनेट एक ओर वरदान है तो वह अभिशाप भी है।

ऊ. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1) ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಆಧುನಿಕ ಜೀವನಶೈಲಿಯ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣ ಅಂಗವಾಗಿದೆ.
2) ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತು ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್‌ನ ಮೂಲಕ ಖರೀದಿಸಬಹುದು.
3) ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್‌ನ ಸಹಾಯದಿಂದ ನಿರುದ್ಯೋಗ ನಿವಾರಿಸಬಹುದು.

9. ईमानदारों के सम्मेलन में

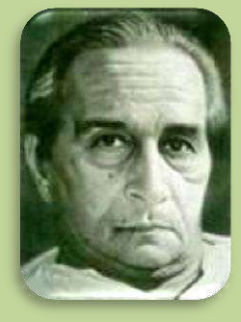

लेखक का परिचय :

लेखक: श्री हरिशंकर परसाई

जन्म काल: 22 अगस्त 1924

जन्म स्थल : मध्यप्रदेश के जमानी

प्रमुख रचनाए। हँसते है रोते है, भूत के पाँव पीछे, सदाचर का तावीज,

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) प्रस्तुत कहानी के लेखक कौन हैं?
प्रस्तुत कहानी के लेखक हरिशंकर परसाई हैं।
2) लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे?
लेखक दूसरे दर्जे में इसलिए सफर करना चाहते थे कि पहले दर्जे के किराये से एक सौ पचास रुपये बचते थे।
3) लेखक की चप्पलें किसने पहनी थीं?
लेखक की चप्पलें ईमानदार डेलिगेट ने पहनी थीं।
4) स्वागत समिति के मंत्री किसको डाँटने लगे?
स्वागत समिति के मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे।

5) लेखक पहनने के कपड़े कहाँ दबाकर सोये?
लेखक पहनने के कपड़े सिरहाने के नीचे दबाकर सोये।

6) सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन–किन को प्रेरणा मिल सकती थी?
सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को प्रेरणा मिल सकती थी।

7) लेखक को कहाँ ठहराया गया?
लेखक को होटल के एक कमरे में ठहराया गया।

8) सम्मेलन का उद्घाटन कैसे हुआ?
सम्मेलन का उद्घाटन शानदार हुआ।

9) ब्रीफकेस में क्या था?
ब्रीफकेस में कागज़ात थे।

10) लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था?
लेखक ने धूप का चश्मा टेबुल (मेज) पर रखा था।

11) तीसरे दिन लेखक के कमरे से क्या गायब हो गया था?
तीसरे दिन लेखक के कमरे से कंबल गायब हो गया था।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था?
लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में इसतरह लिखा गया था कि हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं। आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें। हम आपको आने–जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास, भोजन आदि की व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

2) फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे?
फूल मालाएँ मिलने पर लेखक सोचने लगे कि आस–पास कोई माली होता तो फूल–मालाएँ बेच लेता।

3) लेखक ने मंत्री को क्या समझाया? **या लेखक ने सम्मेलन में पुलिस को बुलवाने से क्यों इनकार करता है?**
लेखक ने मंत्री को समझाया कि "ऐसा हरगिज मत करिये। ईमानदारों के सम्मेलन में पुलीस ईमानदारों की तलाशी लें, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी। फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।"

4) चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने क्या सुझाव दिया?
चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने सुझाव दिया कि चप्पलें एक जगह नहीं उतारना चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर। तब चप्पलें चोरी नहीं होती। एक ही जगह जोडी होगी, तो कोई भी पहन लेगा।

5) लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया?
लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय इसलिए लिया कि ईमानदारों के सम्मेलन में भाग लेने पर उनकी चप्पलें, चादर, कंबल और चश्मा चुराये गये थे।

6) मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है?

मुख्य अतिथि की बेईमानी जब चप्पलें चुराये व्यक्ति कुछ सुझाव देते हैं तब और चश्मा चुरानेवाले व्यक्ति सामने खड़े होकर बातें करते समय दिखाई देती है।

इ. चार–छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) लेखक के धूप का चश्मा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए।

लेखक दूसरे दिन के बैठक में जाने के लिए धूप का चश्मा ढूँढने लगे जो टेबुल पर रखा गया था वह अब न मिला। वह भी गायब था। जब चाय की छु ी हुई तो सब सहानुभूति प्रकट की। उसमें एक डेलिगेट इनका चश्मा पहनकर इनको ही सलाह देने लगे थे।

2) मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में क्या वार्तालाप हुआ?

मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे "तुम लोग क्या करते हो? तुम्हारी ड्यूटी यहाँ है तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही हैं। यह ईमानदारों का सम्मेलन है। बाहर यह चोरी की बात फैली तो कितनी बदनामी होगी? कार्यकर्ताओं ने कहा: "हम क्या करें अगर सम्माननीय डेलिगेट यहाँ–वहाँ जायें, तो क्या हम उन्हें रोक सकते हैं?"

3) सम्मेलन में लेखक को क्या–क्या अनुभव हुए? संक्षेप में लिखिए।

लेखक को सम्मेलन में ये अनुभव हुए रेल गाडी से उतरते ही मालाओं से उनका स्वागत हुआ। उद्घाटन शानदार हुआ। इनकी चप्पलें गायब हुईं। कमरे में कंबलें गायब थीं और उनका चश्मा गायब था, जो चुराई किये थे वे ही आकर इनको सुझाव दे रहे थे। इससे उनको अचरज लगा साथ ही क्रोध आया, वे वहाँ से जल्दी ही निकलना चाहते थे।

ई. रिक्त स्थान भरिए :

1) हम लोग इस शहर में एक <u>ईमानदार</u> सम्मेलन कर रहे हैं।
2) आपकी चप्पलें नहीं गयीं, यह <u>गनीमत</u> है।
3) वह मेरा चश्मा लगाये <u>इतमीनान</u> से बैठे थे।
4) फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी <u>गड़बड़ी</u> होगी ही।

उ. किसने कहा? किससे कहा?

1) क्या आपकी चप्पलें कोई पहन गया?

डेलिगेट ने कहा । लेखक से कहा ।

2) होटेलवाले ने धुलाने को भेज दी होगी। दूसरी आ जायेगी।

कार्यकर्ताओं ने कहा । लेखक से कहा ।

3) मैं पुलिस को बुलाकर यहाँ सबकी तलाशी करवाता हूँ।

मंत्री ने कहा । लेखक से कहा ।

4) चलिये, स्वागत समिति के साथ अच्छे होटल में भोजन हो जाये।

मंत्री ने कहा । लेखक से कहा ।

5) अब मैं बचा हूँ। अगर रुका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा।

लेखक ने कहा । मंत्री से कहा ।

उ. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1) ನಾವು ನಿಮಗೆ ಬಂದು ಹೋಗುವ ಮೊದಲನೆ ಶ್ರೇಣಿಯ ಪ್ರಯಾಣ ಭತ್ಯೆ ನೀಡುತ್ತೇವೆ.

2) ರೈಲು ನಿಲ್ದಾಣದಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಅದ್ದೂರಿಯ ಸ್ವಾಗತವಾಯಿತು.

3) ನೋಡಿ, ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಜಾಗದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬಾರದು.

4) ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದಿದ್ದೇನೆ ಒಂದು ವೇಳೆ ಇಲ್ಲೇ ನಿಂತರೆ ನಾನೇ ಕದಿಯಲ್ಪಡುತ್ತೇನೆ.

विलोम शब्द लिखिए:–

१. आगमन X निर्गमन

रात X दिन

जवाब X सवाल

बेचना X खरीदन

सज्जन X दुर्जन

बहुवचन रूप लिखिए:–

कपड़ा – कपड़ें

चादर – चादरें

बात – बातें

ड़िब्बा – ड़िब्बें

चीज – चीज़ें

माला – मालाएँ

प्रेरणार्थक क्रिया रुप लिखिएँ:–

मूलदातु	क्रिया रुप	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितिय प्रेरणार्थक क्रिया
ठहर	ठहरना	ठहराना	ठहरवाना
धो	धोना	दुलाना	दुलवाना
देख	देखना	दिखाना	दिखवाना
लौट	लौटना	लौटाना	लौटवाना
उतर	उतरना	उतराना	उतरवाना
पहन	पहनना	पहनाना	पहनवाना

संधि विच्छेद कर संधि का नाम लिखिए:–

स्वागत – सु + आगत = यणसंधि

सहानुभूति – सह + अनुभूति = दीर्घसंधि

सज्जन – सत् + जन = व्यंजन संधि

परोपकार – पर + उपकार = गुणसंधि

निश्चिंत – निः + चिंत = विसर्गसंधि

सदैव – सदा + एव = वृद्धि संधि

अनुरूपता:–

१. पहला दिन : चप्पलें गायब थीं : : दुसरे दिन : बिस्तर के चादरें गायब थीं।

२. तीसरें दिन : कम्बल गायब था : : चौथे दिन : धूप का चश्मा गायब था।

३. रिक्शा : तीन पहियों का वाहन : : साइकिल : दो पहियों का वाहन

४. रेलगाड़ी : पटरी : : हवाईजहाज : आसमान (वायु)

10.दुनिया में पहला मकान

डां विजया गुप्ता

लेखक का परिचय:

लेखक का नाम: डां विजया गुप्ता

जन्म काल: 29 दिसंबर 1946

जन्म स्थल :

प्रमुख कृतियाँ : बाल कहानी संग्रह, दुनिया में पहला मकान

I. एक – एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. सिंगफो आदिवासि कहाँ रहते थे?

उ: सिंगफो आदिवासी गुफाओं में और पेड़ों के नीचे रहते थे।

2. सबसे पहले आदमी को मकान बनाना किसने सिखाया?

उ: सबसे पहले आदमी को मकान बनाना बहुत से पशुओं ने सिखाया।

3. मकान के बारे में पूछताछ करने दोनों दोस्त कहाँ चल पडे?

उ: मकान के बारे में पूछताछ करने दोनों दोस्त जंगल की ओर चल पडे।

4. दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले किससे हुई?

उ: दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले हाथी से हुई।

5. दोस्तों ने क्या तय किया?

उ: दोस्तों ने मकान बनाने को तय किया।

6. हाथी से उत्तर पाकर दोस्त किससे मिले?

उ: हाथी से उत्तर पाकर दोस्स्तों ने साँप से मिले।

7. सब जानवारों की बातें सुनकर दोस्तों ने क्या किया?

उ: सब जानवारों की बातें सुनकर दोस्तों ने एक जगह मकान बनाने का काम किया।

II. दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. लालिम और किंचा लालिदाम जंगल की ओर क्यों चल पड़े?

उ: लालिम और किंचा लालिदाम दोनों दोस्तों ने मकान बनाने को तय किया, मगर वे नही जानते थे कि मकान कैसे बनाए जाते है। इसलिए वे पशुओं से पूछताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पड़े।

2. दोस्तों ने हाथी के साथ किसकी चर्चा की?

उ: दोस्तों ने हाथी के साथ हाथी भाई हम लोग मकान बनाना चाहते हैं आप बता सकते हैं कि मकान कैसे बनाए जाते हैं ऐसे पूछताछ किया।

3. हाथी ने दोस्तों को क्या उत्तर दिया?

उ: हाथी ने दोस्तों को इसमें क्या कठिनाई है पेड़ों से लकडी के इतने मोटे और मजबूत गोले काट लो जितने मेरे पैर है कहकर उत्तर दिया।

4. दोस्तों ने किन–किन जानवारों से मुलाकात की?

उ: दोस्तों ने हाथी, साँप, भैस और मछली से मुलाकात की।

III. तीन –चार वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. साँप ने दोस्तों को क्या सुझाव दिया?

उ: साँप ने दोस्तों को यह सुझाव दिया कि "ऐसा करो कि लकड़ी ऐसी पतली काटों, जैसा मै हूँ। कहकर सुझाव दिया।

2. भैंस के पंजर से दोस्तो को क्या जानकारी मिली?

उ: भैंस के पंजर से दोस्तों को जैसे इस पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पड़ी है, उसी तरह चार मोटे गोले जमीन में गाड़कर उन पर पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बना लेने की जानकारी मिली।

3. मछली ने दोस्तों के प्रश्न का क्या जवाब दिया?

उ: मछली ने दोस्तो के प्रश्न का जवाब दिया कि "आप लोग ज़रा मेरी पीट की पट्टियाँ ध्यान से देख लो। फिर पेड़ों से बहुत सी पत्तियाँ तोड लो। इन पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो, जैसी मेरी पीट पर पट्टियाँ है।

IV. अनुरुपता:

1. हाथी : जंगल जानवार : : भैस : पालतू जानवार

2. मछली : पानी : : साँप : जमीन

3. मछली : तैरना : : साँप : रेंगना

4. हाथी : सूँड : : भैंस : सिंग

V. अन्य वचन रुप लिखिए।

1. कहानी – कहानियाँ , 2. गुफा – गुफाएँ 3. पेड़ – पेड़ 4. पत्ती – पत्तियाँ

5. हड्डी – हड्डियाँ 6. मछली – मछलियाँ 7. लकड़ी – लकड़ियाँ

8. पट्टी – पट्टियाँ 9. लोग – लोग 10. घर – घर

VI. अन्य लिंग रुप लिखिए।

1. आदमी – औरत 2. हाथी – हथिनी 3. भैंस – भैंसा 4. शेर – शेरनी

5. मोर – मोरनी 6. बहन – भाई

VII. विलोम शब्द लिखिए।

1. बहुत कम 2. दिन रात 3. नीचे ऊपर 4. मुश्किल आसान

5. आगे पीछे 6. मजबूत कमजोर 7. लंबी चौडी 8. पास दूर

9. दोस्त दिश्मन 10. काटना जोड़ना

VIII. जोड़कर लिखिए।

1. तालाब – मछली
2. हाथी – पैर
3. भैंस – हड्डियाँ
4. पहला – मकान
5. सिंगफो – आदिवासी

IX. रिक्त स्थान भरिए।

1. भैंस ने दोस्तों को अपने भैंस का पिंजर दिखाया।
2. दोस्तों को मुलाकात अंत में मछली से हुई।
3. आप लोग ज़रा मेरी पीट की पट्टियाँ ध्यान से देख लो।
4. भैंस बहन हम लोग मकान बनाना चाहते है।

X. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद लिखिए।

1. भैंस ने दोस्तों को पंजर दिखाया।
2. साँप ने कहा, आगे की बात मै नहीं जानता।
3. हाथी बोला, इसमें क्या कठिनाई है?

4. तालाब में एक बद्ई मछली तैर रही थी।

11. समय की पहचान

कवि का परिचय

कवि का नम सियारामशरण गुप्त

कवि का जन्म काल : 4 सितंबर 1895

कवि का ज्नम स्थल : झाँसी के चिरगाँव

प्रमुख रचनाए : मौर्यविजय, अनाथ, विषाद, आर्द्रा, आत्मोत्सर्ग, मृण्मयी, आदि:

एक – एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. कवि के अनुसार मनुष्य को सुख कब नही मिलता?

उ: कवि के अनुसार मनुष्य को समय को नष्ट करने से सुख नही मिलता।

2. बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है?

उ: बहाने बनाने का प्रमुख कारण आलस्य है।

3. समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है?

उ: समय भगवान / ईश का दिया हुआ अनुपम धन है।

4. कवि किस पर विश्वास करने को कहते है?

उ: कवि अपने आत्म पर विश्वास करने को कहते है।

5. समय के खोने से क्या होता है?

उ: समय को खोने से इन्सान को पछताना पड़ता है।

II. दो – तीन वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. मनुषय के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है?

उ: मनुष्य को समय नष्ट ना करने से, आलस और बहाना छोड़कर मेहनत से काम करने से सुख की प्राप्ति होति है।

2. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए?

उ: समय बहुत अनमोल है। उसका महत्व धन से भी ज्यादा है। आलस्य को त्यागकर काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जाने न देने से और समय को सच्चा साथी बनालेने से समय का सदुपयोग कर सकते है।

3. कविता के अंतिम चार पक्तियों में कवि क्या कहना चाहते है?

उ: कवि सियाराम शरण गुप्त जी का कहना हैं कि जो काम करते हैं उसे मन लगाकर करो, दिल में विश्वास रखों, संदेह को दूर करो। ऐसा अच्छा समय कब तुम्हे मिलता है। अब का समय खोकर आगे बहुत पछताओगे।

III. निम्ना लिखित शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(सर्वथा, चक्रवर्ती, करो अभी, शुभ)

1. जो करना है, करो अभी कल हो क्या जाने?
2. चाहो तुम क्यों नहीं चक्रवर्ती भी हो के।
3. यही समय ही अहो तुम्हारा शुभ जीवन है।
4. खोकर पीछे इसे सर्वथा पछताओगे।

IV. अनुरुपता

1. आलस : परिश्रम : : नष्ट : लाभ
2. जानो : मानो : : लगा दो : भगा दो
3. धन : निर्धन : : दिया : लिया
4. जीवन : मरण : ; खोना : पाना

V. जोड़कर लिखिए।

उध्योगी – सुसमय

आलस – बहाना

जीवन – पल – पल

समय – अनुपम धन

द्रव्य – समता

12. रोबोट

डां प्रदीप मुखोपाध्याय अलोक

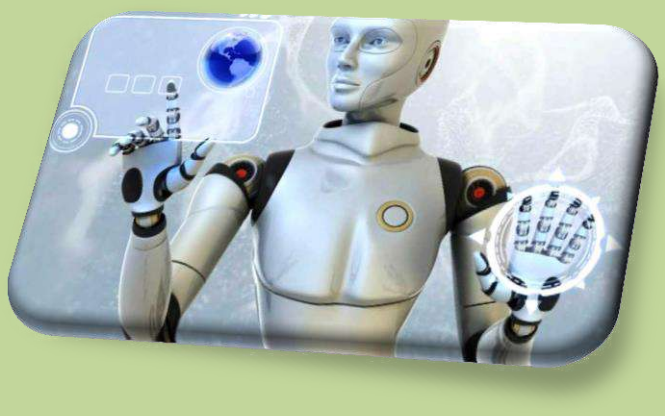

1.वर्षों से सक्सेना के परिवार में कौन काम कर रहा था ?

उत्तर : वर्षों से सक्सेना के परिवार में साधोराम काम रहा था ।

2.धीरज सक्सेना किस कार्यालय में जा पहूँचे ?

उत्तर : धीरज सक्सेना रोबोटोनिक्स कॉरपोरशन के कार्यालय में जा पहुँचे ।

3.एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से क्या साफ कर रहा था ?

उत्तर: एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से दफ्तर के फर्श को साफ कर रहा था ।

4.रोबोनिल की मुलाकात किससे हुई ?

उत्तर : रोबोनिल की मुलाकात रोबोदीप से हुई ।

5.शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम लिखिए ?

उत्तर : शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम झबरू था ।

6.रोबोनिल और रोबोदीप किससे मिलने गए ?

उत्तर : रोबोनिल और रोबोदीप रोबोजीत से मिलने गए ।

7.वैज्ञानिक लेखक का नाम लिखिए ?

उत्तर : वैज्ञानिक लेखक का नाम आइजक आसिमोव है ।

II. दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1.साधोराम को क्या हुआ था ?

उत्तर : साधोराम अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट लग गई । उसे अस्पताल में भर्ती कराना पडा ।

2.धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की जरूरत क्यों थी ?

उत्तर : उनके नाती–पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड प्रोसेसर पर उनका काम सँभालने के लिए भी धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की जरूरत थी

3.रोबोदीप ने रोबोनिल से क्या कहा ?

उत्तर : रोबोदीप ने रोबोनिल से कहा कि, तुम्हारे आने से पहले साधोराम नाम का सेवक सक्सेना परिवार में काम करता था, वह अब अस्पताल में है । सक्सेना बता रहे थे कि वह अब साधोराम की छुट्टी करनेवाले है ।

4.रोबोनिल ने रोबोजीत को क्या समझाने की कोशिश की ?

उत्तत: रोबोनिल ने रोबोजीत को समझाने लगे कि धीरज सक्सेना के घर में पहले साधोराम नाम का सेवक काम करता था, वह अब अस्पताल में है । सक्सेना बता रहे थे कि वह अब साधोराम को थोड़ा मुआवज़ा देकर उनकी छुट्टी करनेवाले है ।

5. कहानी को टाइप करते समय रोबोनिल को क्या हुआ ?

III पाँछ– छः वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1.धीरज सक्सेना ने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय क्यों लिया ?

उत्तर : धीरज सक्सेना के घर में पहले साधोराम नाम का सेवक काम करता था । अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई वह अब अस्पताल में था । सक्सेना का परिवार बड़ा था । सक्सेना परिवार के लोग पूरी तरह साधोराम के काम पर निर्भर थे । घरेलू कामकाज करने के लिए उनको सेवक का ज़रूरत था । इस कारण धीरज सक्सेना रोबोट को कामकाज के लिए रखने का निर्णय लिया ।

2.रोबोनिल और रोबोदीप की मुलाकात का वर्णन कीजिए ।

उत्तर : रोबोनिल रोज़ शाम को शेरू को टहलाने के लिए ले जाता था । ऐसे में एक दिन उसकी मुलाकात रोबोदीप से हो गई । रोबोदीप उसी मोहल्ले में रहनेवाले शर्मा परिवार के कुत्ते झबरू को घुमाने आया करता था । दोनों रोबोटों के बीच दोस्ती हुई ।

3.विज्ञान कथा का सार लिखिए ।

उत्तर : विज्ञान कथा का सार इस प्रकार है – एक घर में नौकर किसी जानलेवा बीमारी से पीड़ित था, उसे निकालकर उसकी जगह पर एक रोबोट को रख दिया जाता है । किसी तरह रोबोट को इस बात की जानकारी मिल जाती है तो वह 'रोबोटिक संघ' से संपर्क साधकर संघ को सारी बातों से अवगत कराता है । संघ रोबोटों की हड़ताल की घोषणा कर देता है । इससे उस नौकर को घर में फिर से नौकरी में रख लिया जाएगा ।

4.रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल क्यों मच गई ?

उत्तर : रोबोनिल और रोबोदीप 'रोबोटिक संघ' में जाकर धीरज सक्सेना के नौकर साधोराम के बारे में सब कुछ बता दिए । इन सब बातों को अध्यक्ष सुनकर संघ की कार्यकारिणी की आपातकालीन बैठक बुलाई । बैठक में तय हुआ कि सभी रोबोटिक कंपनियों के काम करनेवाले रोबोटों की हड़ताल का आह्वाहन कर दिया जाए । इस विषय सुनकर रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल मच गई ।

IV. निम्नलिखित कारकों को चुनकर लिखिए । (का, के, में ,से, की)

1.वर्ष 2030 ..... नवंबर का महीना था ।

2.आप साधारण रोबोट ..... भी काम चला सकते है ।

3.रोबोनिल ..... घर में आ जाने से सभी ने राहत की सँस ली ।

4.रोबोटो ..... हडताल की घोषणा हुई ।

5. संघ को यह बात मानने ..... कोयी आपत्ति नहीं थी ।

(1. के 2. से 3. के 4. की 5. में)

V. जोडकर लिखिए ।

1. यह सुनकर काउंटर पर – बैठा रोबोट बोला ।
2. मगर, रोबोदीप, यह तो – रोबोटिकी के नियम के विरुद्ध है ।
3. शाम को रोबोनिल – और रोबोदीप मिले ।
4. दोनों के बीच कुछ – गुप्त मंत्रण हुई ।
5. सक्सेना परिवार रोबोनिल को – पाकर फूला नहीं समा रहा था ।

VI. अन्य वचन रूप लिखिए ।

1. बेटा – बेटे 2. नाती – नातियाँ (नाता) 3. कुत्ता –कुत्तियाँ
4. छुट्टी – छुट्टियाँ 5. बेटियाँ – बेटी 6. पोता – पोते
7. कंपनियाँ – कंपनी 8. नौकरियाँ – नौकरी

VII. अनुरूपता

1.शेरू को टहलना : रोबोनिल :: झबरू को घुमाना : ..... रोबोदीप

2.मुखीया : धीरज सक्सेना :: सेवक : ..... साधोराम

3.टस से मस न होना : अटल रहना : : फूले न समाना : ..... बहुत खुश होना

VII मुहावरा : भाषा ज्ञान मुहावरें जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ प्रकटा करता है तो, उसे मुहावरा कहते है ।

उदा– आँखे चुराना – अपने आप को छिपाना ।

आँखे दिखाना – डमकाना, डराना ।

अक्ल का अंधा – मूर्ख।

आस्तीन का साँप – कपटी मित्र ।

कान भरना – चुगली करना

उदाहर्ण के अनुसार मुहावरे लिखिए ।

1. शरीर के अंगों को लेकर

1.अँगूठा दिखाना – साफ इनकार करना ।

2. कंधे से कंधा मिलाना – मदद करना ।

3.कमर कसना – तैयार होना ।

अंकों को लेकर

1.नौ – दो ग्यारह होना – भाग जाना ।

2. एक अनार सौ बीमार – वस्तु एक चाहनेवाले अनेक ।

3.उन्नीस – बीस का अंतर – कम अंतर होना ।

मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

1.आँख खुलना – होश आना ।

2. ईद का चाँद होना – बहुत दिनों के बाद दिखाई देना ।

3. कान खड़े होना – सावधान होना ।

4. हवा से बातें करना – बहुत तेज़ शेर को देखकर हिरन हवा से बातें करने लगता है ।

5. बात का धनी – वचन का पक्का ।

<u>मुहावरों को सही अर्थ के साथ जोड़कर लिखिए ।</u>

1.राहत की साँस लेना – चैन की साँस लेना (तसल्ली/सांत्वाना देना)

2. पेट पर लात मारना – हानी पहुँचाना ।

3. टस से मस न होना – विचलित न होता ।

4. फूला नही समाना – बहुत खुश होना ।

5. आँच आना – आश्चर्यचकित होना ।

6. अँगूठा दिखा देना – वक्त आने पर इनकार करना ।

7. हलचल मचाना – शोर मचाना ।

8. हाथों के तोते उड़ाना – नौकरी या सहूलियत छीनना ।

<u>निम्न लिखित मुहावरों से वाक्य पूरा कीजिए ।</u>

1.मास्टर साहब की आँखों में ..... रही थी । (चिंगारियाँ सुलग)

2.मालिक को देखकर ड्राइवर का ..... हो गया । (गुस्सा हवा)

3.अपने सामने शेर को देख मैं काफी देर तक ..... खडा रहा । (दाँतों तले उँगली दबाकर)

4. अध्यापिका की अनुपस्थिति में बच्चों ने कक्षा में इतना शोर मचा रखा था , ऐसा लगा रह था, मानो कक्षा में ..... हो । (भूचाल आ गया)

5.एक व्यक्ती को अपने मूँह से ट्रक खींचते देख हम ..... दबाकर रह गए । (हमारे साँस रोके)

6.बिल्ली को सामने से आता देख चूहा ..... हो गया । (नौ दो ग्यारह)

13.महिला की साहसगाथा

– संकलित

एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1.बिछेंद्री पाल को कौन–सा गौरव प्राप्त हुआ है ?

उत्तर : बिछेंद्री पाल को ' एवरेस्ट की चोटी पर चढनेवाली पहली भारतीय महिला ' होने का गौरव प्राप्त हुआ है ।

2. बिछेंद्री के माता–पिता कौन थे ?

उत्तर : बिछेंद्री की माता का नाम हंसादेई नेगी और पिता का नाम किशनपाल सिंह था ।

3. बिछेंद्री ने क्या निश्चय किया ?

उत्तर : बिछेंद्री ने निश्चय किया कि उनके भाई की तरह पर्वतारोहण करेगी ।

4. बिछेंद्री ने किस ग्लेशियर पर चढाई की ?

उत्तर : बिछेंद्री ने गंगोत्री ग्लेशियर पर चढाई की ।

5.सन 1983 में दिल्ली में कौन–सा सम्मेलन हुआ था ?

उत्तर: सन 1983 में दिल्ली में 'हिमालय पर्वतारोहियों का सम्मेलन' हुआ था ।

6.एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ कौन थे ?

उत्तर : एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ पर्वतारोही अंग दोरजी थे।

7.कर्नल का नाम क्या था ?

उत्तर: कर्नल का नाम खुल्लर था ।

8.ल्हाटू कौन–सी (रज्जू) रस्सी लाया था ?

उत्तर : ल्हाटू 'नायलॉन ' की (रज्जू) रस्सी लाया था ।

9. बिछेंद्री ने थैले से कौन–सा चित्र निकाला ?

उत्तर : बिछेंद्री ने थैले से 'हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ ' का चित्र निकाला ।

10.कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से क्या कहा ?

उत्तर: कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से कहा कि ' देश को तुम पर गर्व है । '

11. मेजर का नाम क्या था ?

उत्तर : मेजर का नाम ' कुमार ' था ।

12. बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन–सा पदक देकर सम्मान किया ?

उत्तर : बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने प्रतिष्ठित स्वर्ण–पदक देकर सम्मान किया ।

दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. बिछेंद्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए । •

उत्तर : बिछेंद्री का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था ।

• उनकी माता का नाम हंसादेई नेगी और पिता का नाम किशनपाल सिंह था ।
• वे अपने माता पिता के पाँच संतानों में तीसरी संतान थी ।
• बिछेंद्री के बडे भाई को पहाडों पर जाना अच्छा लगता था ।
• इसी कारण से बिछेंद्री पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया ।

2. बिछेंद्री का बचपन कैसे बीता ?

उत्तर : बिछेंद्री का बचपन बहुत मुश्किल में बीता । बचपन में बिछेंद्री रोज 5 किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जाता पड़ता था । सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी । इसी तरह उन्होंने संस्कृत में एम.ए तथा बी.एड तक की शिक्षा प्राप्त की ।

3. बिछेंद्री ने पर्वतारोहण के लिए किन – किन चीजों का उपयोग किया ?

उत्तर : बिछेंद्री ने पर्वतारोहण के लिए ' नायलॉन की रस्सी, ऑक्सीजन और फावडे ' का उपयोग किया था ।

4.एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने क्या किया ?

• उत्तर :एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने फावडे से पहले बर्फ की खुदाई कर अपने आपको सुरक्षित रूप से स्थिर किया ।

• इसके बाद अपने घुटनों के बल बैठी ।

• बर्फ पर अपने माथे को लगाकर उन्होंने सागरमाथे के ताज का चुंबन किया ।

• बिना उठे ही हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकालकर लाल कपडे में लपेटा और छोटी – सी पूजा करके इनको बर्फ में दबा दिया ।

चार–पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. बिछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की ?

उत्तर: बिछेंद्री ने पहाड पर चढने के लिए अनेक पहाडों पर चढकर अपने लक्ष्य को ताजी रखी । बिछेंद्री ने एवरेस्ट चढने के दिन सुबह चार बजे उठी , बर्फ पिघलाई और चाय बनाई । कुछ बिस्कुट और आधी चॉकलेट का हल्का नाश्ता करने के पश्चात वे लगभग साढे पाँच बजे अपने तंबू से निकल पडी ।

2.दक्षिणी शिखर पर चढते समय बिछेंद्री के अनुभव के बारे में लिखिए ।

उत्तर : दक्षिणी शिखर पर चढ़ते समय बिछेंद्री एक नायलॉन की रस्सी के सहारे शिखर पर चढ़े । और आवश्यक चार लीटर ऑक्सीजन की अपेक्षा लगभग ढाई लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट की दर से लेकर चढ़ रही थी । रेगुलेटर पर जैसे ही ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाई तो उनका कठिन चढ़ाई आसान लगने लगी ।

3.प्रस्तुत पाठ से क्या संदेश मिलता है ?

उत्तर : प्रस्तुत पाठ से यह संदेश मिलता है कि साहस गुण, दृढ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीख सकते है । इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी मिलती है । बिछेंद्री की तरह बचपन से ही मुसीबतों को सामना करना चाहिए । इस पाठ से जान सकते है कि मेहनत का फल अच्छा होता है ।

जोडकर लिखिए ।

1. गंगोत्री ग्लेशियर की चढ़ाई – 1982
2. पर्वतारोहियों का सम्मेलन – 1983
3. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचना – 1984 ।

अनुरूप शब्द लिखिए ।

1.पहाड : सिरि :: चीटी : ..... (शिखर)

2कालानगर : पर्वत :: गंगोत्री : ..... (ग्लेशियर)

3.कर्नक : खुल्लर :: मेजर : ..... (कुमार)
4.चाय : गरम :: बर्फ : ..... (ठण्ड़ी)
5.पहले हिमालयोही पुरुष : तेनजिंग नोर्गे :: पहली एवरेस्ट पर्वतारोही महिला :..... (जुंके ताबी)

स्त्री लिंग शब्द लिखिए ।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
1. बाप	माँ
2. पुरुष	स्त्री / महिला
3. भाई	बहन
4. बेटा	बेटी
5.श्रीमान	श्रीमती

उदाहरण के अनुसार लिखिए ।

1. पढ़ + आई = पढ़ाई
2. चढ़ + आई = चढ़ाई
3. कठिन + आई = कठियाई
4. उँचा + आई = ऊँचाई
5. बढ़ + आई = बढ़ाई

अन्य वचन लिखिए।

1.चट्टान – चट्टानें
2. रस्सी – रस्सियाँ
3. शीशा – शीशे
4. चोटी – चोटियाँ
5. चादर – चादरें

विलोम शब्द लिखिए ।

1.आरोहण × अवरोहण
2. चढ़ना × उतरना
3. ठंडा × गरम
4. परिश्रम × आलस
5. सामने × पीछे

समानार्थक शब्द लिखिए ।

उदा – पहाड़ = गिरि – पर्वत
1. चोटी = शिखर – शिखा
2. सुबह = सवेरा – प्रात:
3. महिला = स्त्री – औरत
4. नज़दीक = पास – निकट

निम्न शब्दों में विशेषण तथा संज्ञा श्ब्दों को अलग–अलग कीजिए ।

शब्द संज्ञा विशेषण उदा – ऊँचा पर्वत पर्वत ऊँचा शब्द संज्ञा

विशिषण 1. मधुर स्वर स्वर मधुर

2. कर्कश आवाज़ आवाज़ कर्कश

3. बड़ा साधु साधु बड़ा

4. ठंडी हवा हवा ठंड़ी

5. नायलॉन रस्सी रस्सी नायलॉन

अनेक शब्द के लिए एक शब्द दियेगो हैं, ढूँढकर लिखिए ।

1.जहाँ पहूँचा जा न सके : दुर्गम

2.मास में एक बार आनेवाला : मासिक

3.जो कभी न मरे : अमर

4.अच्छे चरित्रवाला : सच्चरित्र

5.जो आँखों के सामने हो : प्रत्यक्ष

6.जो स्थिर रहे : स्थाई

7.जिसे क्षमा ना किया जा सके : अक्षम्य

8.जो वन में घूँमता हो : वनचर

9.जिसका संबंध पश्चिम से हो : पाश्चात्य

10.जो उपकार मानता हो : कृतज्ञ

कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए ।

1. ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರ ಜನ್ಮ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಆಗಿತ್ತು.
2. ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರು ಪ್ರತೀ ದಿನ ನಡೆದುಕೊಂಡು ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿತ್ತು.
3. ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.
4. ಯಶಸ್ಸು ಬಹಳ ಹತ್ತಿರದಲ್ಲಿದೆ ಎಂದು ನನಗೆ ಅನಿಸಿತ್ತು.
5. ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ತಲುಪಿದ ಭಾರತದ ಪ್ರಥಮ ಮಹಿಳೆ ಆಗಿದ್ದೆ.

14. सूर–श्याम

– सूरदास

कवि परिचय :

कवि का नाम : सूरदास

जन्म स्थान : उत्तर प्रदेश के रुनकता

जन्म तिथि : 1540

रचनाएँ : सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी

मृत्यु : 1642

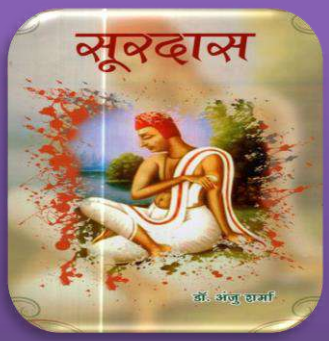

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) बालकृष्ण किससे शिकायत करता है?

बालकृष्ण माँ यशोदा से शिकायत करता है।

2) बलराम के अनुसार किसे मोल लिया गया है?
बलराम के अनुसार कृष्ण को मोल लिया गया है।

3) बालकृष्ण का रंग कैसा था?
बालकृष्ण का रंग काला(श्याम) था।

4) सूर–श्याम पद के रचयिता कौन हैं?
सूर–श्याम पद के रचयिता सूरदास हैं।

5) कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है?
कृष्ण की शिकायत बलराम के प्रति है।

6) यशोदा और नंद का रंग कैसा था?
यशोदा और नंद का रंग सफेद था। (यशोदा और नंद गोरे थे।)

7) चुटकी दे–देकर हँसनेवाले कौन थे?
चुटकी दे–देकर हँसनेवाले ग्वाल मित्र थे।

8) यशोदा किसकी कसम खाती है?
यशोदा गोधन की कसम खाती है।

9) सूरदास की काव्यों की विशोषता क्या है?
सूरदास की काव्यों में वात्सल्य, शृंगार तथा भक्ति का त्रिवेणी संगम हुआ है।

10)सूरदास किस शाखा कवि हैं?
सूरदास कृष्ण भक्ति शाखा के कवि हैं।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता?
बलराम कृष्ण को चिढ़ाता है और कहता है यशोदा माँ ने तुम्हें जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। इसी क्रोध के कारण कृषण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता।

2) बलराम कृष्ण के माता–पिता के बारे में क्या कहता है?
बलराम कृष्ण के माता–पिता के बारे में इस तरह कहता है कि तुम्हारे माता–पिता कौन हैं? नंद और यशोदा गोरे हैं, लेकिन तुम्हारा शरीर क्यों काला है? माँ ने तुम्हें मोल लिया है।

3) कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है?
कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति इसलिए नाराज़ है कि माँ तुमने केवल मुझे ही मारना सीखा है और भाई पर कभी गुस्सा नहीं करती।

4) यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है?
यशोदा कृष्ण के क्रोध को इस तरह कहकर शांत करती है– हे कृष्ण! सुनो। बलराम जन्म से ही चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो।

इ. चार–छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) पद का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

कृष्ण और माता यशोदा की ममता का वर्णन सुंदर ढंग से व्यक्त हुआ है। कृष्ण माँ यशोदा के पास जाकर शिकायत करता है कि माँ! दाऊ मुझे चिढ़ाते हैं। मुझे कहते हैं यशोदा ने तुम्हें जन्म नहीं दिया है

बल्कि मोल लिया है। इसी क्रोध से मैं खेलने नहीं जाता हूँ। सब ग्वालों से मिलकर चुटकी देकर हँसते हैं माता–पिता गोरे हैं तुम काले शरीर के हो। माँ! तुम तो मुझे मारना सीखी हो दाऊ पर कभी क्रोध नहीं करती हो। इन प्यार भरे शिकायतों से माँ मोहित हो जाती है और कृष्ण को शांत रीति से समझाती है।

ई. पद्य भाग को पूर्ण करे ।

1. गोरे नंद जसोदा गोरी ,तुम कत स्याम सरीर ।
   चुटकी दै दै हँसत ग्वाल , सब सिखै देत बलबीर ॥
2. सुनहु कान्ह बलभद्र चबाई जनमत ही को धूत ।
   सूर– स्याम मोहिं गोधन की सौं हौं माता तू पूत ॥

अनुरूपता ।

1. बलभद्र : बलराम :: कान्ह : ..... (कृष्णा)
2. जसोदा : माता :: नंद : ..... (बलराम)
3. रीझना : मोहित होना :: खीजाना :..... (चिढाना)
4. बलबीर : बलराम :: जसोदा : ..... (यशोदा)

15. कर्नाटक संपदा

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) पश्चिमी घाट किसे कहते हैं?
   कर्नाटक में दक्षिण से उत्तर के चोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं।
2) कर्नाटक में कौन–कौन से जलप्रपात हैं?
   कर्नाटक में जोग अब्बी, गोकाक, शिवन समुद्र आदि जलप्रपात है।
3) श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर की मूर्ति की ऊँचाई कितनी है?
   श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर की मूर्ति की उँचाई 57 फुट है।
4) ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कन्नड के कवियों के नाम बताइए।
   ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कन्नड के कवि हैं कुवेंपु, द.रा.बेंद्रे, शिवराम कारंत,
   मास्ति वेंकटेश
   अय्यंगार, वि.कृ. गोकाक, यू.आर. अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड, चंद्रशेखर कंबार
5) किस नगर को सिलिकान सिटि कहा जाता है?
   बेंगलूर नगर को सिलिकान सिटि कहा जाता है।
6) भद्रावती के दो प्रमुख कारखानों के नाम लिखिए।
   भद्रावती के दो प्रमुख कारखाने हैं– कागज, लोहे और इस्पात का कारखाना।
7) सेंट फिलोमिना चर्च किस नगर में है?

सेंट फिलोमिना चर्च मैसूर नगर में है।

8) बिजापुर नगर का प्रमुख आकर्षण स्थान कौन–सा है?
बिजापुर नगर का प्रमुख आकर्षण स्थान गोलगुंबज है।

9) अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा में है?
अरबी समुद्र कर्नाटक की पश्चिमी दिशा में है।

10)कर्नाटक की दक्षिण दिशा में कौन–सी पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं?
कर्नाटक की दक्षिण दिशा में नीलगिरी की पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं।

11)भारत का प्रगतिशील राज्य कौन सा है?
भारत का प्रगतिशील राज्य कर्नाटक है।

12)कर्नाटक की राजधानी कौन–सी है?
कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु है।

13)कर्नाटक में बोली जानेवाली कौन–सी है?
कर्नाटक में बोली जानेवाली भाषा कन्नड है।

14)भारत का सर्वोच्च पुरस्कार कौन–सा है?
भारत का सर्वोच्च पुरस्कार भारत रत्न है।

15)कर्नाटक में विपुल मात्रा में मिलनेवाले पेड़ कौन से हैं?
कर्नाटक में विपुल मात्रा में मिलनेवाले पेड़ चंदन(श्रीगंध) हैं।

16)कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में होने के कारण किस नाम से पुकारते हैं?
कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में होने के कारण इसे 'चंदन का आगार' कहते हैं।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ और जल प्रपात कौन–कौन से हैं?
कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ –कावेरी, कृष्ण, तुंग–भद्रा, शरावति आदि हैं। और प्रमुख जलप्रपात– गोकाक, अब्बी, जोग और शिवनसमुद्र है।

2) बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग हैं?
बाँध नदियों पर बनाये जाते हैं जिनसे जमीनों को पानी सींची जाती है। जलाशयों की सहायता से ऊर्जा उत्पादन कर सकते हैं।

3) कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए।
कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम है–गंग, कदंब, राष्ट्रकूट, चालुक्य, होयसल, ओडेयर आदि।

4) बेंगलूरु में कौन–कौन सी बृहत संस्थाएँ हैं?
बेंगलूरु में प्रसिद्ध भारतीय विज्ञान संस्थान, एच.ए.एल, एच.एम.टी, आइ.टी.आइ, बी.एच.ई.एल, बी.ई.ए जैसी बृहत संस्थाएँ हैं।

इ. चार–पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवारकर सुंदर समृद्ध बनाया है। कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है। पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर

के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सहयाद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं।

2) कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए।

कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है। बादामी, ऐहोले, प दकल्लू में जो मंदिर है। शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है। बेलूर हलेबीडु, सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं वे सजीव लगती हैं। ये सुंदर मूर्तियाँ हमें रामायण, महाभारत, पुराणों की कहानियाँ सुनाती हैं। ये सुंदर श्रवणबेलगोल में 57 फुट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला प्रतिमा है। जो दुनिया को त्याग, शांति का संदेश दे रही है।

3) कर्नाटक के साहित्यकारों की कन्नड भाषा तथा संस्कृति को क्या देन है?

वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवि, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है। पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं। पंप, रन्न, पोन्न, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है।

ई. रिक्त स्थान भरिए :

1) कर्नाटक को चंदन का आगार कहते हैं।
2) गोमटेश्वर की प्रतिमा दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है।
3) मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है।
4) कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है।

उ. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1) ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ ಮತ್ತು ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು.
2) ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು ಹೆಚ್ಚಾಗಿವೆ.
3) ಜಗನ್‌ಮೋಹನ ಅರಮನೆಯ ಪುರಾತನ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯ ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಣೀಯವಾಗಿದೆ.
4) ವಚನಕಾರರಾದ ಬಸವಣ್ಣನವರು ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು.

ಊ. नमूने के अनुसार इन शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

उदा : पर्वत =आद्रि, पहाड ,गिरि

1. सागर = समुद्र ,जलाधि , सिंध
2. आगार = गृह , घर , आलय
3. जल = पानी , नीर , वारी
4. आकाश = गगन , नभ

ಋ. विलोम शब्द लिखिए :

1. सुंदर × कुरूप
2. विदेश × स्वदेश
3. आदि × अनादी
4. सजीव × निर्जीव
5. सदाचार × दुराचार
6. आयात × निर्यात

ಎ. उदाहरण के अनुसार बहुवचन रूप बनाना सीखिए :

उदा : संधि – संधियाँ

1. मूर्ति – मूर्तियाँ
2. उपलब्धि – उपलब्धियाँ
3. कृति – कृतियाँ
4.नीति – नीतियाँ
5. संस्कृति – संस्कृतियाँ
6. पद्धति – पद्धतियाँ
7. नदि –नदियाँ
8. दिशा – दिशाएँ

ऐ. विच्छेद कर संधि का नाम लिखिए :

1. दिग्गज – दिक् + गज = व्यंजन संधि
2. पर्वतावली – पर्वत + आवली =दीर्घसंधि
3. संग्रहालय – संग्रह + आलय = दीर्घसंधि
4. जलाशय – जल् + आशय = दीर्घसंधि.
5. जगनमोहन – जगत् + मोहन = व्यंजन संधि
6. सदाचार – सत् + आचार = व्यंजन संधि
7.अत्यंत – अति + अंत = यणसंधि

ओ. विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए ।

1. देश–विदेश = देश और विदेश द्वंद्व समास
2. जलप्रपात जल से प्रपात तत्पुरुष समास
3. राजवंश राजा का वंश तत्पुरुष समास
4. राजमहल राजा का महल तत्पुरुष समास

सही विकल्प को रेखांकित कीजिए ।

1. तुंगभद्रा नदी इन राज्यों में बहती है ।
   अ) कर्नाटक – तमिलनाडु आ) कर्नाटक – महाराष्ट्र
   इ) कर्नाटक – आंद्रप्रदेश ई) कर्नाटक – केरल उत्तर:– इ) कर्नाटक – आंद्रप्रदेश
2. श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति का निर्माण इन्होने कराया था ।
   अ) दीवान पूर्णय्या आ) मिर्जा इस्माइल इ) श्री वीरेंद्र हेग्गडे ई) चाउंडराय
   उत्तर :– ई) चाउंडराय
3. ज्ञानपीठ से पुरस्कृत प्रथम कन्नड साहित्यकार ये है।
   अ) चंद्रशेखर कंबार आ) कुवेंपु इ) यू.आर.अनंतमूर्ति ई) गिरीश कार्नाड
   उत्तर :– आ) कुवेंपु
4. कन्नड भाषा के प्रथम राष्ट्रकवि की उपाधी से अलंकृत साहित्यकार ये है ।
   अ) गोविंद पै आ) कुवेंपु इ) जी.एस.शिवरुद्रप्प ई) ती.नं.श्री
   उत्तर :– अ) गोविंद पै

अनुरूपता :

1. दक्षिण से उत्तर के छोर की पर्वतमाला : पश्चिमी घाट :: दक्षिण की पर्वतावलियाँ : .....

2. कर्नाटक : चंदन का आगर :: बेंगलूर : .....
3. सी.वी.रामन : नोबल पुरस्कृत :: सर्.एम्.विश्वेश्वरय्या : .....
4. भद्रावती : लोहे और इस्पात :: मैसूर : .....
5. कावेरी : नदी :: जोश : .....
6. बेलूर : शिल्पकला :: गोल गुंबज : .....
7. सेंट फिलोमिना :: गोलगुंबज : .....
8. कृष्णदेवराय : शासक :: राष्ट्रकूट : .....
9. बसवण्ण : वचनकार :: कनकदास :: .....
10. पंपा : प्राचीन कवि :: कंबार : .....

अतिरिक्त प्रश्नोत्तर :

1. ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कन्नड के कवियों के नाम बताइए ।

उत्तर : कुवेंपु , द.रा.बेंद्रे , शिवरामकारंत , मास्तिवेंकटेश अय्यंगार , वि.कृ. गोकाक, यू.आर.अनंतमूर्ति , गिरीश कार्नाड और चंद्रशेखर कंबार, हैं ।

2. सिलिकॉन सिटी नाम से प्रख्यात नगर कौनसा है ।

उत्तर : बेंगलूरु सिलिकॉन सिटी नाम से प्रख्यात नगर है ।

3. बेंगलूर.....के केंद्र और .....का केंद्र है ।

उत्तर : शिक्षा, उद्योग धंधों

4. भारत के सर्वोच्च पुरस्कार का नाम .....है ।

उत्तर : भारतरत्न

3. कर्नाटक को विश्व पटल पर अंकित करने का श्रेय किन–किन दिग्गजों को मिला हैं ?

उत्तर : सर.सी.वी.रामन , सर्.एम.विश्वेश्वरय्या , डा.सी.एन.आर.राव, डा.शाकुंतलादेवी, और प्रौद्योगिक क्षेत्र में नारायण मूर्ति और आदियों कर्नाटक को विश्व पटल पर अंकित करने का श्रेय इन दिग्गजों को मिला है।

16. बाल – शक्ति

– **जगतराम आर्य**

लेखक का परिचय:

लेखक का नाम:जगतराम आर्य

लेखक का जन्म काल:16 दिसंबर 1910

लेखक का स्थल: हिमाचलप्रदेश

प्रमुख रचना: देश भक्ति से संबंधित कृतियाँ

1. जगतराम आर्य का जन्म औत मृत्यु कब हुई ?
   उत्तर: जन्म–16 दिसंबर सन् 1910 में हुआ । मृत्यु–4 आगस्त सन् 1993 में हुआ ।
2. जगतराम आर्य की शिक्षा किसकी देख–रेख में हुई ?
   उत्तर : जगतराम आर्य की शिक्षा पं तुलसीराम जी की देख–रेख में हुई ।
3. शहीद भगतसिंह के साथ किस कवि ने क्रांतिकारी घट्नाओं में जुड रहे ?
   उत्तर: शहीद भगतसिंह के साथ कवि जगतराम आर्य ने क्रांतिकारी घट्नाओं में जुड रहे ।
4. किस कवि ने कई दिन तक अज्ञातवास भी किया है ?
   उत्तर: कवि जगतराम आर्य ने कई दिन तक अज्ञातवास भी किया है ।

एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. कौन – कौन कंचे खेल रहे थे ?
   उत्तर : रामू और श्यामू कंचे खेल रहे थे ।
2. खेल में कौन सदा बेईमानी करता है ?
   उत्तर : खेल में रामू सदा बेईमानी करता है ।
3. रामू को स्कूल जाने के लिए कौन कहता है ?
   उत्तर: रामू को स्कूल जाने के लिए मोहन कहता है ।
4. रामू ने किस विषय का गृह – कार्य नहीं किया था ?
   उत्तर : रामू ने गणित विषय का गृह – कार्य नही किया था ।
5. हमें किस उम्र में अच्छी आदतें डालनी है ?
   उत्तर : हमें छोटी उम्र में अच्छी आदतें डालनी है ।
6. रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी किसने ली ?
   उत्तर: रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी संजय ने ली ।
7. टोली का मुखिया कौन बना ?
   उत्तर :टोली का मुखिया मोहन बना ।
8. बच्चों की तारीफ किसने की ?
   उत्तर: बच्चों की तारीफ कलेक्टर साहब ने की ।

दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. रामू में कौन – कौन सी बुरी आदतें थीं ?
   उत्तर : रामू बहुत सारी बुरी आदतें थी जैसे
   - खेल में बेईमानी करना,
   - झूठ बोलना,
   - आलसी इसी कारण वह गृह कार्य भी नही करता था ।
2. गाँव की सफाई के लिए बालक क्या काम करते हैं ?
   - उत्तर : गाँव की सफाई के लिए बालक रोज एक घंटा गाँव की सफाई काम करने का निश्चय किए । • गाँव को हरा भरा रखने के लिए गाँव के चारों तरफ पेड़ – पौधे लगाने को निश्चय किए ।
3. गाँव को आदर्श गाँव कैसे बनाया जा सकता हैं ?
   - उत्तर : गाँव को साफ – सुथरा रखने से,

• गाँव में पेड–पौधे लगाकर हरा–भरा करने से
• गाँव के गड्ढे मिट्टि से ढांपने से
• विशेष रूप से गाँव में स्वच्छ वतावरण उत्पन्न करने से आदर्श गाँव बनाया जा सकता है ।

4. कलेक्टर साहब ने बच्चों की बड़ाई में क्या कहा ?
• उत्तर : गाँव को इन बच्चों ने एक नया जीवन प्रदान किए है ।
• इन बच्चों की जितनी बड़ाई की जाए उतनी ही कम है ।
• इन सबने मिलकर गाँव को स्वच्छ वातावरण दिया है ।
• बाल–शक्ति के कारण गाँव एक आदर्श गाँव बन गया है ।
• सरकार की तरफ से 'बाल–शक्ति' टोली को पाँच हज़ार रुपये दिए ।
• इस प्रकार गाँव को साफ–सुथरा देखकर खुश होते हुए कलेक्टर बच्चों की बड़ाई में कहा ।

5. पाँच हज़ार रुपये मिलने पर मोहन क्या सोचता है ?
• उत्तर :पाँच हज़ार रुपये मिलने पर मोहन सोचता है कि ये रुपये हम प्रधानाध्यापक जी को दे देंगे । • स्कूल के पुस्तकालय में गरीब बच्चों के लिए हम पुस्तकों का प्रबंध करेंगे ।

मिलान कीजिए ।

अ	आ	उत्तर
1. बेईमानी करनेवाला	मोहन	– रामू ।
2. टोली का नाम	पाँच हज़ार	– बाल–शक्ति ।
3. इनाम के रुपये	बुजुर्ग	– पाँच हज़ार ।
4. टोली का मुखिया	रामू	– मोहन ।
5. ये गाँव के सपूत हैं	बाल–शक्ती	– बुजुर्ग ।

खाली जगह भरिए ।
1. रामू और श्यामू ..... खेल खेल रहे थे ।
2. ..... की कापी घर पर भूल आया हूँ ।
3. अभी से अच्छी ..... डालनी चाहिए ।
4. ..... की गंदी आदते छुडवाएँगे ।
5. रोज एक घंटा गाँव की ..... में लगाएँगे ।
6. कूडा डालने केलिए एक ..... जगह बनाएँगे
7. आपका गाँव एक ..... गाँव बन गया है ।

उत्तर 1.कंचे 2.गणित 3.आदतें 4.रामू 5.सफाई 6.निश्चि 7.आदर्श

विलोम श्ब्द लिखिए ।
उदा – अपना × पराया

1. रात × दिन	2. आदि × अंत	3. आयात × निर्यात	4.आय × व्यय
5. उल्टा × सीधा	6. हानी × लाभ	7. तोड़ × जोड़	8. थोड़ा × ज्यादा
9. उतार × चढ़ाव	10. बेईमानी × ईमानी		

17. कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती है ।

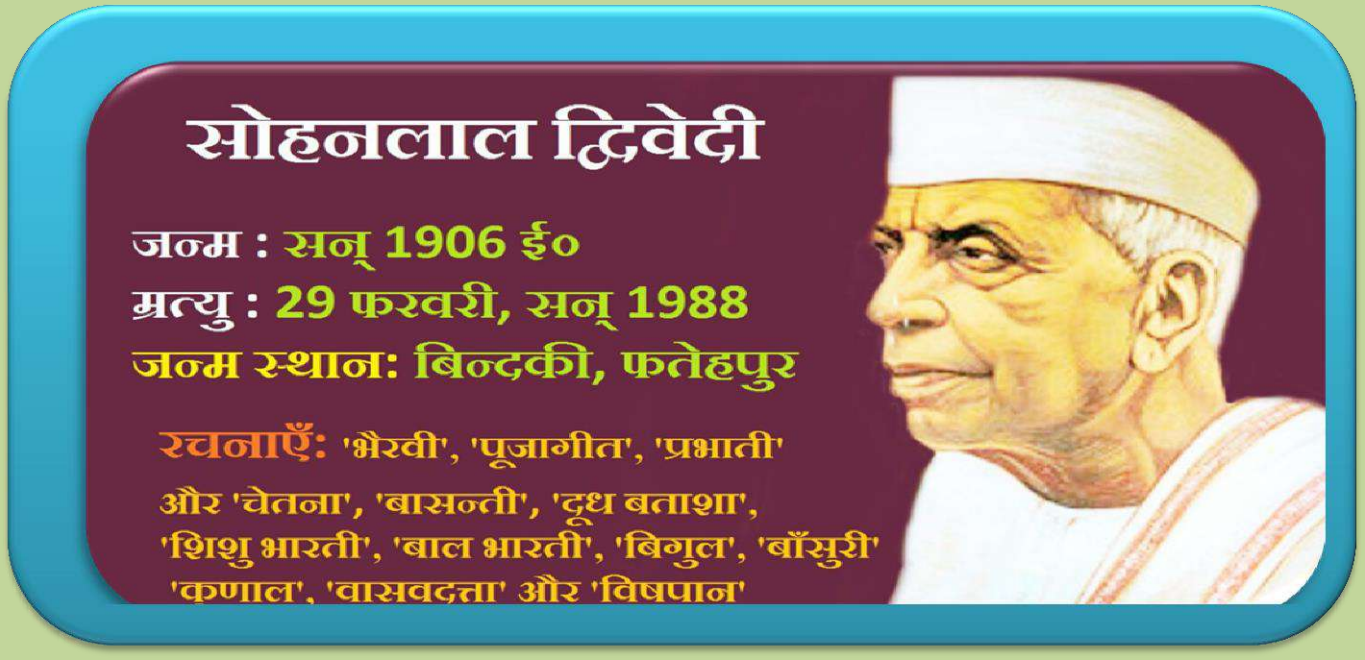

1. सोहनलाल द्विवेदी जी का जन्म और मृत्यु कब हुई ?
   उत्तर: जन्म–23 जनवरी सन् 1906 में हुआ, और मृत्यु–सन् 1988 में हुई ।
2. सोहनलाल द्विवेदी जी किस पत्रिका के संपादक थे ?
   उत्तर: सन् 1938 से सन् 1942 तक ' दैनिक अधिकार 'पत्रिका के संपादक थे।
3. सोहनलाल द्विवेदी जी ने अवैतिक (बिना वेतन) से किस पत्रिका का संपादन किया ?
   उत्तर:सोहनलाल द्विवेदी जी ने अवैतिक (बिना वेतन) से 'बाल सखा' पत्रिका का संपादन किया ।
4. सोहनलाल द्विवेदी जी किससे अत्यधिक प्रभावित थे ?
   उत्तर: सोहनलाल द्विवेदी जी महात्मा गाँधीजी से अत्यधिक प्रभावित थे ।
5. सोहनलाल द्विवेदी जी को किस उपाधि से अलंकृत किया गया है ?
   उत्तर : सोहनलाल द्विवेदी जी को 'राष्ट्रकवि' नामक उपाधि से अलंकृत किया गया है।
6. सोहनलाल द्विवेदी जी की प्रमुख रचनाएँ कौन–कौनसी है ?
   उत्तर: भैरवी, वासवदत्ता,कुणाल,पूजागीत,विषपान, युग्धारा,जय गाँधी आदी
7. सोहनलाल द्विवेदी जी की प्रमुख बाल–साहित्य कौनसी हैं ?
   उत्तर:बाल भारती, शिशु भारती, बिगुल, बासुरी, नेहरू चाचा आदी हैं ।

<u>एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।</u>

1. किससे डरकर नौका पार नहीं होती ?
   उत्तर : लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती ।
2. किनकी हार नहीं होती है ?
   उत्तर : कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती है ।
3. दाना लेकर कौन चलती है ?

उत्तर : चींटी, दाना लेकर चलती है ।

4. चींटी कहाँ चढती है ?

उत्तर : चींटी दीवार पर चढती है ।

5. किसकी मेहनत बेकार नहीं होती ?

उत्तर : कोशिश करनेवालों की मेहनत बेकार नहीं होती ।

6. सागर में डुबकियाँ कौन लगाता है ?

उत्तर: गोताखोर सागर में डुबकियाँ लगाता है ।

7. मोती कहाँ मिलता है ?

उत्तर : मोती सागर के गहरे पानी में मिलता है ।

8. किसकी मुट्ठी खाली नहीं होती ?

उत्तर : कोशिश करने वालों की मुट्ठी खाली नहीं होती है ।

9. किसका मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए ?

उत्तर : संघर्ष का मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए ।

10. कुछ किये बिना ही क्या नहीं होती है ?

उत्तर : कुछ किये बिना ही जय–जयकार नहीं होती है ।

<u>दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।</u>

1. चींटी के बारे में कवि क्या कहते हैं ?

उत्तर: कवि सोहनलाल द्विवेदी चींटी के बारे में कहते है कि, नन्हीं चींटी दाना ले जाते समय दीवारों पर चढती और सौ बार पिसलती (गिरती) है । फिर भी मन का विश्वास नहीं छोडती, नहीं डरती कोशिश करता है । अंत में चींटी दिवार पर चढकर यश पाता है ।

2. गोताखोर के बारे में कवि के विचार क्या हैं ?

उत्तर: गोताखोर सागर में कई बार डूबकर खाली हाथ वापस लौट आता है। सहज पानी में मोती नहीं मिलते है, उसके लिए गहरे पानी में जाना पडता है। इससे उसकी उत्साह दुगना बढता रहता है । अंत में उसकी हाथ खाली नहीं रहती है।

3. असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि क्या संदेश देते है?

उत्तर : असफलता एक चुनौती है, हमें इसे स्वीकार करना चाहिए ।

- असफलता का कारण पहचानकर गलतियों को सुधारना चाहिए ।
- जब तक हम हमारे काम में सफल नहीं होते तब तक नींद और चैन को त्याग देना चाहिए ।
- संघर्ष का मैदान छोड़कर हम भागना नहीं चाहिए ।
- हम कुछ किये बिना हमारी जय–जयकार नहीं होती है ।
- असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि संदेश देते हुए कहते है

<u>जोड़कर लिखिए ।</u>

अ	आ	उत्तर
1. लहर	डुबकियाँ	– नौका
2. चींटी	चुनौती	– दाना
3. गोताखोर	सुधार	– डुबकियाँ

4. असफलता दाना – चुनौती

5. कमी नौका – सुधार

भावार्थ लिखिए ।

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है , चढती दिवारों पर सौ बार फिसलती । मन का विश्वास रगों में साहस भरता है , चढकर गिरना, गिरकर चढना न अखरता है । आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती, कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती । उत्तर : कवि सोहनलाल द्विवेदी चींटी के बारे में बताते हुए कहते है कि, नन्हीं चींटी दाना ले जाने के समय दीवारों पर सौ बार चढ़कर सौ बार पिसलती है । मन का विश्वास रगों में भरता है । चढ़कर गिरता है और गिरकर चढ़ने के लिए डरता नहीं है । अंत में चींटी का मेहनत बेकार नहीं होती है । कोशिश करनेवालों की कभी भी हार नहीं होती हैं ।

16. शनि : सबसे सुन्दर ग्रह

1. सौर मंडल का सबसे बढ़ा ग्रह कौन– सा है ?

   सौर मंडल का सबसे बढ़ा ग्रह शनि ग्रह है।

2. सौर मंडल में शनि ग्रह का स्थान क्या है ?

   सौर मंडल में शनि ग्रह का स्थान दूसरा बढ़ा ग्रह है।

3. पृथ्वी और सूर्या में कितना फासला है ?

   पृथ्वी और सूर्या में करीब 15 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर है ।

4. शनि किसका पुत्र है ?

   शनि सूर्य का पुत्र है।

5. शनैःचार का क्या अर्थ है ?

   शनैःचार का अर्थ है धीमी गाती से चलनेवाला।

6. सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को कितना समय लगता है ?

   सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को करीब तीस वर्ष (29.5) लगता है ।

7. शनि एक राशि में कितने साल तक रहता है ?

   शनि एक राशि में करीब ढाई (2,25) साल तक रहता है ।

8. बहुत कम सूर्यताप किस ग्रह पर होता है ?

   बहुत कम सूर्यताप शनि ग्रह पर होता है ।

9. शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

   शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन, एमोनिया गैस से हुआ है ।

10. सौरमंडल का सबसे बढ़ा उपग्रह कौन – सा है ?

    सौरमंडल का सबसे बढ़ा उपग्रह गेनीमेड है ।

11. प्रकृति ने शनि ग्रह के गले में क्या ढाला है ?

    प्रकृति ने शनि ग्रह के गले में खूब सुन्दर माला ढाला है ।

12. शनि ग्रह का तापमा कितना है ?

    शनि ग्रह का तापमा शून्य से 180 डिग्री सेल्सियससे कम है। इसीलिए इस ग्रह को ठंडा ग्रह कहा जाता है ।

17. सत्य की महिमा

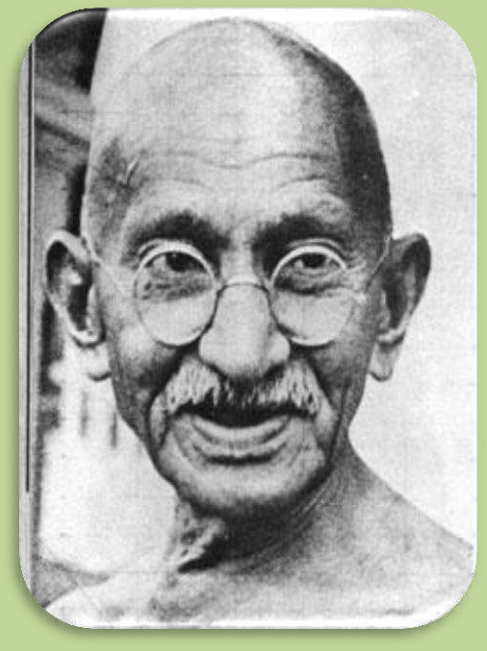

1. सत्य क्या होता है ? उसका रूप कैसा होता है?

   सत्य बहुत भोला – भाला, बहुत ही सीधा–साधा है ।
   जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा,बिना मिर्च लगाए बोल दिया यही तो सत्य है ।

2. झूठ का सहारा लेते हैं तो क्या–क्या सहना पड़ता है ?

   झूठ का सहारा लेते है तो एक झूठ साबित करने के लिए हज़ारों झूठ बोलने पड़ते हैं ।

3. शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है ?

शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका इस प्रकार है – 'सत्यं ब्रूयात, न ब्रूयात सत्यमप्रियम' अर्थात सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो |

4. संसार में महान व्यक्रियों ने सत्य का सहारा लिया है | – सोदाहरण समझाइए |

   संसार के महान व्यक्तियों ने सत्य का सहारा लिया है –

   उदाहरण :–

   रजा हरिश्चन्द्र की सत्यनिष्ठता है | उन्हें सत्य के मार्ग पर चलते अनेक कठिनाइयों का सामना करना पडा , लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सूरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नही है | राजा दशरथ ने सत्यवचन के लिए अपने प्राण त्याग दिये |

5. झूठ बोलनेवालों की हाल कैसी होती है ?

   झूठ बोलनेवालों की हालत,कभी – कभी झूठ बोल देने से कुछ क्षणिक लाभ अवश्य होता है, पर उसमें अधिक हानि ही होती है | क्षणिक लाभ विकास के मार्ग के लिए बाधा बन जाता है | व्यक्तित्व कुंठित होता है | झूठ बोलनेवालों से लोगों का विशवास उठ जाता है| उसकी उन्नती के द्वार बंद हो जाते हैं |

6. महात्मा गांधी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कहना है ?

   महात्मा गांधी का सत्य की शक्ति के बारे में कथन है – महात्मा गाँधी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर किया | उनका कथन है 'सत्य एक विशाल वृक्ष है |' उसका जितना आदार किया जाता है , उतना ही फल उसमें लगते हैं | उसका अंत नही होता |'

7. हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास क्यों करना चाहिए ?

   सत्य एक चिंगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है | अतः हमें हर स्थिति में सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास करना चाहिए |

8. सत्य दृष्ठी का प्रतिबिंब है , ज्ञान की क्या है ?

   सत्य दृष्ठ का प्रतिबिंब है , ज्ञान की प्रतिलिपि है |

9. 'सत्य मेव जयते , नानृतम' का अर्थ क्या है ?

   'सत्य मेव जयते , नानृतम' का अर्थ है – सत्य की ही विजय होता है, असत्य की नही |

18. अनमोल समय

1. समय को अमूल्य क्यों माना जाता है ?

   समय अनमोल रत्न है| समय ही जीवन है | हमारा जीवन इसी 'समय' से बना है इसीलिए समय को अमूल्य कहा गया है |

2. समय का 'सदुपयोग' से तात्पर्य है ?

   समय के 'सदुपयोग' का मतलब है – 'सही समय पर सही कम करना'

3. जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक तत्व कौन सा है ?

   सही समय पर सही काम करना ही जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक तत्व है |

4. बुद्धिमान कौन होता है ?

   उपयुक्त समय पर अपना काम निपटानेवाला वास्तव में बुद्धिमान होता है |

5. हमें किसका आदर करना चाहिए ?

   हमें समय का आदर करना चाहिए |

6. हम सबको समय की क्या समझनी चाहिए ?

   हाउ सबको समय की गंभीरता को समझना चाहिए |

3. नागरिक के कर्तव्य

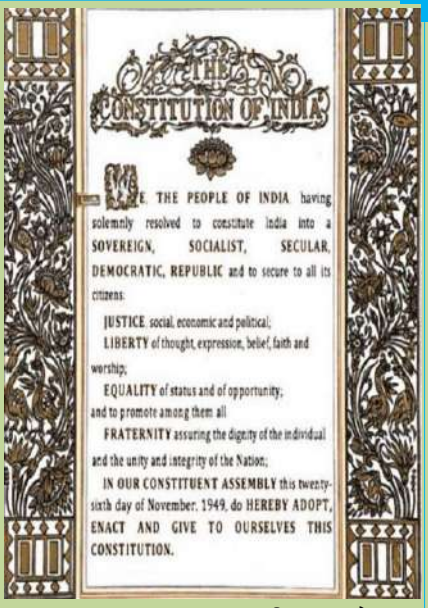
THE CONSTITUTION OF INDIA

WE THE PEOPLE OF INDIA having solemnly resolved to constitute India into a SOVEREIGN, SOCIALIST, SECULAR, DEMOCRATIC, REPUBLIC and to secure to all its citizens:

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity;

and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the unity and integrity of the Nation;

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949, do HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.

I. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. मीना मैडम ने कितने दिनों के कार्यशिबिर आयोजन किया था ?

उत्तर : मीना मैडम ने समुदाय भवन में 15 दिनों के एक कार्यशिबिर आयोजन किया था

2. संभाषण का विषय क्या था ?

उत्तर : संभाषण का विषय था कि ' नागरिकों के मूल कर्तव्य '।

3. अकुल ने मीना मैडम से क्या कहा ?

उत्तर :एक नागरिक के हैसियत से हमें अपने देश के राष्ट्र–ध्वज, राष्ट्र–गाना, राष्ट्रीय–त्योहार आदि का आदर करना चाहिए । इस प्रकार अकुल ने मीना मैडम से कहा।

4. सलमा ने क्या कहा ?

उत्तर : सलमा ने कहा कि प्रकृति हमारी माता है, हमें प्राकृतिक संपदा का अपव्यय करना नहीं चाहिए । साथ ही पर्यावरणा को स्वच्छ रखना चाहिए ।

5. अन्वर ने मीना मैडम से क्या कहा ?

उत्तर :अन्वर ने मीना मैडम से कहा कि हमें आपस में भाईचारे का व्यवहार करना चाहिए । जाती, धर्म, भाषा , प्रदेश, वर्ग के भेदों को भूलकर स्नेह जीवन बिताना चाहिए ।

6. मीना मैडम ने छात्रों से अंत में क्या कहा ?

उत्तर : मीना मैडम ने छात्रों से अंत में कहा कि 'आप सब को नागरिकों के मूल कर्तव्यों का पालन करना चाहिए , इससे देश का कल्याण भी होगा ।

ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हिंदी के साहित्यकार

क्र सं	वर्ष	साहित्यकार	विषय
01	1968	सुमित्रानंदन पंत –	चि*दंबरा*
02	1972	रामधारी सिंह दिनकर	*उर्वशी*
03	1978	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन'अज्ञेय	कि*तनी नावों मे कितनी बार*
04	1982	महादेवी वर्मा	*यामा*
05	1992	नरेश मेहता	समग्र साहित्य
06	1999	निर्मल वर्मा	समग्र साहित्य
07	2005	कुँवर नारायण	समग्र साहित्य
08	2009	अमरकांत व	समग्र साहित्य
09	2009	श्रीलाल शुक्ल	(संयुक्त रूप से दिया गया ।)
10	2013	केदारनाथ सिंह	समग्र साहित्य

छुट्टीपत्र

कोई कारण बताते हुए दो दिन की छुट्टी की मंजूरी के लिए पत्र लिखिए :-

प्रेषक : दिनांक: 24-01-2022

अ.ब.क

दसवीं कक्षा

स. प्रौढ शाला आनेकेरे

चन्नरायपट्टण ताहसिल.

सेवा में,

प्रधानाध्यापकजी

स. प्रौढ शाला आनेकेरे

चन्नरायपट्टण ताहसिल.

महोदय जी,

विषय : दो दिन की छुट्टी के लिए विनती ।

आपसे निवेदन है कि कल रात से मुझे बुखार आया है । डॉक्टर ने दो दिन आराम करने के लिए सलाह दी है । इसलिए मैं पाठशाला नहीं आ पाऊँगा । ताकी दिनांक :24-01-2022 और 25-01-2022 तक दो दिन छुट्टी चाहिए । कृपया दो दिन की छुट्टी मंजूर कीजिए ।

आपकी आज्ञाकारी छात्रा

अ.ब.क

दसवीं कक्षा

पढाई की प्रगति के बारे में बताते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए :–

बैंगलूरु

दिनांक: 24–01–2022

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम ।

यहाँ पर मैं सकुशल हूँ । मुझे आशा है कि आप भी वहाँ पर सकुशल हैं । आपका पत्र पढ़कर मुझे कुछ कर दिखाने का मन हुआ है । पाठशाला में शिक्षक परीक्षा केलिए खूब तैयारी करा चुके हैं । मै भी शिक्षकों के मार्गदर्शन के अनुसार पढ़ाई कर रही हूँ । आपको यह बताने के लिए मुझे बहुत खुशी होती है कि चौथी रचनात्मक परीक्षा में मैं अव्वल दर्जे में उत्तीर्ण हूँ । वार्षिक परीक्षा में भी आधिकाधिक अंक पाने के लिए खूब तैयारी कर रही हूँ । माताजी को मेरे प्यार भरे प्रणाम कहना । छोटी बहन को मेरी यादें दिलाना ।

आपकी प्रिय पुत्री

अ.ब.क

सेवा में,

अशोक कुमार बी.जी

#7184 श्री निलय कुवेम्पु नगर

मैसूर –06

शैक्षिक सैर जाने के किए 1000 रुपिये माँगते हुए अपने पिताजी के नाम एक पत्र लिखिए ।

तुमकूरु
दिनांक: 24–12–2014

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम ।

यहाँ मैं कुशल हूँ । मुझे आशा है कि आप भी वहाँ सकुशल हैं । मै शिक्षकों के मार्गदर्शन के अनुसार पढ़कर तीसरी रचनात्मक परीक्षा में मैं अव्वल दर्जे में उत्तीर्ण हूँ । जनवरी माह में हमारी पाठशाला से शृंगेरी, होरनाडू, कलसा, धर्मस्थल, बेलूर और हलेबीडू आदि स्थानों के लिए शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया है । मेरे सभी मित्र सैर जा रहे हैं । मैं भी सैर जाना चाहती हूँ । इसलिए मुझे शीघ्र 1000 रुपये भेज दीजिए । माताजी को मेरे प्यार भरे प्रणाम कहना । छोटी बहन को मेरी यादें दिलाना ।

आपकी प्रिय पुत्री
अमुल्या

सेवा में,
थिम्मोजी राव बी.जी
#□/2 पोस्टल क्वार्टस
के.बी संद्र बेंगलुरु– 28

01 - इंटरनेट–क्रांति

प्रस्तावना:– आज का युग इंटरनेट युग है। बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर इस इंटरनेट–क्रांति का असर पडा है। इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

लाभः– इंटरनेट द्वारा पल भर में, वीडियो चित्र स्थिर चित्र ,शब्द संदेश हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना या मंगवाना मुमकिन हो गया है। इसके द्वारा घर बैठे–बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। काल्पनिक सभागार में एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं। आई, टी, और आई,टी,ई,एस संस्थाओं से रोजगार मिल रहें हैं। फेसबुक, आरकुट, ट्विटर, लिंकडाइन आदि सोशियल नेटवर्क से समाज पर क्रांतिकारी प्रभाव पड़ा है। आज सरकारी काम–काजों में पारदर्शकता लाने के लिए ई–गवर्नेंस का उपयोग हो रहा है।

अभिशापः– इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर वह अभिशाप भी है। इसकी वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग आदि बढ़ रही है। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी फँस गये हैं और वक्त का दुरुपयोग हो रहा है।

उपसंहारः–वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव –जीवन को सुविधाजनक बनाया है। इसे मनुष्य अपने रुची के अनुसार उपयोग कर सकता है।

02 – नारी तुम केवल श्रद्धा हो

भारतीय शास्त्रों में नारी के बारे में इस प्रकार कहा गया है कि –

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः'

इस कथन का अर्थ है – जहां नारी को पूजा की जाती है , गौरव दी जाती है, श्रद्धा की दृष्ठी से देखा जाता है वहां देव गण रहते हैं |

भारत में नारी का स्थान पूजनीय है | सारे संसार में नारियों को श्रद्धा , भक्ति से देखा जाता है | आज नारी पुरुषों के जीवन में माता के रूप में , बहन के रूप में धारण होती है |

भारत देश में हर जगह पर बहनेवाली पवित्र नदियों के नाम स्त्रीयों के नाम से पुकारा जाते हैं |

जैसे : कावेरी , गोदावरी , नर्मदा , हेमावती , गंगा , यमुना, सरस्वती आदि |

आज के दिन राष्ट्र की ओर स्त्री का नाम पर अनेक योजनायें हो रही हैं देश तथा राज्य में सरकारों द्वसवीं कक्षा तक उचित शिक्षा और अन्य सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं |

03 – जनसंख्या की समस्या

तात्पर्य : जनसंख्या की समस्या सामान्य रूप से विश्व की समस्या है | तीन सेकेंड में दो बच्चे जन्म ले रहे हैं |

जनसंख्या वृद्दि के कारण : विज्ञान की उन्नति के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सुविधावों में उन्नति हुई है | फलतः जन्म लेने वाले शिशुओं की मृत्यु दर में कमी हुई है , तथा औसत आयु में वृद्दि हुई है, यानी आजकल एक भारतवाक्सी पीला की अपेक्षा अधिक समय तक जीवित रहता है

प्राचीन मान्यताओं के अनुसार बच्चे भगवान की दें है| अतएव परिवार नियोजन जैसे उपायों को सामान्यतः अच्छी नज़र से देखा जाता है |

यह भी दृष्ठीकोण है कि अधिक बच्चे होने से काम करने के लिए तथा परिवार की रक्षा करने के लिए अधिक हाथ उपलब्द होते हैं | जनसंख्या वृद्दि को रोकने में सबसे अधिओक बाधक तत्व है – अशिक्षा , अंधविश्वास तथा रूढ़िवादिता | इसके अतिरिक्त भारतीय लोग संतान कोई ईश्वरीय दें समझते है तथा संतान को भाग्य के साथ जोड़ देते हैं|

नियनत्रण : हम सबका यह कर्तव्य है कि इस समस्या के निवारण में पूरा योगदान दे |

हमारी सरकार तथा सामाजिक संस्थाओं को चाहिए कि सभाओं गोष्ठीयों , समाचार– माध्यामोंज, संचार माध्यमों एवं रेडियों , दूरदर्शन द्वारा छोटे परिवारों से होनेवाले फायदों का प्रचार – प्रसार करें| कहने का तात्पर्य यह है कि परिवार को सीमित रखने की मानसिकता जी प्रचार हर स्टार पर किया जाए जिससे जनसंख्या नियंत्रण को जीवन का एक आवश्यक अंग मान लिया जाए |

उपसंहार : हमारे देश के किसानों में जनसंख्या की वृद्दि एक बड़ी बाधा है | यातायात ,शिक्षा , रोंजगार आदि विविध क्षेत्रों में जनसंख्या की वृद्दि सि दर्द बन गई है | देश का प्रत्येक नागरिक ०स समस्या का हल करने में सहायक हो |

04 – वनमहोत्सव

अर्थ : आदिकाल से मनुष्य प्रकृति की गोद में पला , बड़ा हुआ है | प्रकृति की अपार संपदा मानव जीवन के लिए बहुत आवश्यक है | मानव का जीवन वनों पर आश्रित है | मानव को वनों से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार से लाभ है | वन हमारी आर्थिक संपदा के स्रोत है | वनों से हमें कच्चा माल प्राप्त होता है ,वनों से अधिक मात्रा में इमारती लकड़ी , वार्निश , रबड़ , आदि मिलता है | विभिन्न जड़ी–बूटियाँ. सुगन्धित पदार्थ बनाने के साधन और कागज का सामान सभी वनों से ही मिलाती है |

महत्व : प्राकृतिक सौंधर्य और पर्यावरण का आधार वन ही है | वन वर्षा में सहायक हिते है तथा वयु को शुद्दा करते हैं | वेदों में प्रकृति की आराधना की गई है | आज तक हमारे देश में बरगद , नीम केला , पीपल जैसे अनेक वृक्षों पूजा की जाती है | पृथ्वी को हरा –भरा सुन्दर आकर्षक बनाने में वृक्षों का बड़ा योगदान है |

संरक्षण : सभ्यता के विकास के साथ – साथ वनों की कटाई अचिक होती जारही है | जनसंख्या दृद्दी के कारण भी वनों का नाश होता जारहा है | वृक्षों की उपयोगिता के बारे में वैज्ञानिकों के सुझाव लेकर, अधिक वृक्ष लगाये जा रहे है | उनके अनुसार भारत के कुलभू–भाग का एक तिहाई भाग वन होना चाहिए | सं 1950 में प्रसिद्द स्वतंत्रता सेनानी और साहित्यकार कन्हैयलाल माणिकलाल ने एक वन नीति की घोषणा की | हममें वर्तमान वनों की रक्षा और पर्वत प्रदेशों में वृक्षारोपण करना . सरकार ने वनों की कटाई पर रोक लगा दी और प्रतिवर्ष वन महोत्सव बनाये जाने लगे | प्रति वर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जाता है | श्री सुन्दरलाल बहुगुण के वृक्षारोपण के प्रयास और 'चिपको आन्दोलन' काफी लोकप्रिय है |वनमहोत्सव के कारण धीरे धीरे वृक्षों की संख्या और जंगली जानवारों की संख्या में बड़ी संख्या में वृद्दी होने लगी है | वनमहोत्सव माह के नाम से पूरे देश में वृक्षों को लगाया जाता है |

उपसंहार : वृक्षों को लगाने से वनों में बढ़ती होती है | आज अनेक सामाजिक संस्थाएं वृक्षारोपण के लिए कई कार्यक्रम कर रही है | वन – जागृती से यह आशा है कि हमारी धरती फिर से हरी–भारी हो जायेगी |

05 – इन्टरनेट वरदान है या अभिशाप

अर्थ : इन्टरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दोसरों से सम्बन्ध स्थापित करने का जाल है | आज मानव को खाना पानी जितना जरूरी है उतना ही जरूरी कंप्यूटर भी आवश्यक हो गई है |

लाभ : इन्टरनेट द्वारा घर बैठे – बैठे खरीदारी कर सकते है | कोई भी बिल भर सकते हैं | इससे दूकान जाना और घण्टों थक कतार (लाईन) में खड़े रहने का , समय बर्बाद होने से बच सकता है | इन्टरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर जितनी भी रकम बेज सकते हैं और मंगवा सकते हैं |

हानियाँ : इन्टरनेट की वजह से पैरसी , बैकिंग फ्राड , हैकिंग (सूचना / खबरों की चोरी) आदी से युव पीढी ही नही बच्चे भी इन्टरनेट की कबंध बाहों के पाश में फंसे जा रहे हैं | इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं | इसलिए आप लोगों को इन्टरनेट से सचेत रहना चाहिए |

उपसंहार : वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव जीवन को सुविधाजनक बनाया है | इन्टरनेट ने मानव की जीवनशैली और उसकी सोक से क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है | आज इन्टरनेट के बिना संचार व सूचना देना क्षेत्र कमजोर हो जाते हैं | इन्टरनेट ने पूरी तरह दुनिया को एक जगह ला खड़ा कर दिया है | जीवन के हर क्षेत्र में इन्टरनेट का बहुत बड़ा योगदान है | इन्टरनेट वरक्दान है तो अभिशाप भी है |

06 – स्वच्छ भारत अभियान

भूमिका : हमारे चारों ओर के वातावरण को स्वच्छ रखना ही स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश है | इन्हें हमारे प्रधानमंत्री जी गांधी जानती के दिन स्वच्छ भारत अभियानं की घोषणा की |

सफाई का महत्व : सफाई करने से हमारा वातावरण स्वच्छ रहता है इससे स्वास्थ भी अच्छा रहता है | मन आनंद से भरा रहता है | इसलिए हम हमेशा परिसर को स्वच्चता के साथ रखना चाहिए |

उपसंहार : एक व्यक्ति अपना परिवार, एक परिवार एक रास्ता, एक रास्ते के लोग अपना एरिया को स्वच्छ रखने का निर्णय लेना है | सभी मिलकर स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाना है |

07 - समाचार पत्र

प्रस्तावना:– आज संसार में संदेश को प्रसार करनेवाले संपर्क साधनों में समाचार पत्र भी एक है। यह सस्ता और सभी तरह के विषयों का परिचय करानेवाला सुलभ साधन है।

आरंभ:– समाचार पत्रों की जन्म भूमी यूरोप है। पहला समाचार पत्र सन् 1526 में इंग्लैंड में प्रकाशित हुआ। भारत में हिंदी का पहला पत्र 'उदंत मार्तंड' सन् 1826 में, अंग्रेजी में 'बंगाल गजट' सन् 1780 में और कन्नड में मंगलूरु समाचार सन् 1843 में प्रकाशित हुआ।

महत्व:– वर्तमान समय में समाचार पत्र विभिन्न भाषाओं में हजारों की संख्या में प्रकाशित हो रहा है। नवभारत टाइम्स, हिंदुस्तान टाइम्स, अमर उजाला और प्रजावाणि नामों से प्राकाशित हो रहे हैं। समाचार पत्र दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक रूप में मिलते हैं। विषय की दृष्टि से

सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, मनोरंजक आदि वर्गों में विभाजित किया जाता है। समाचार पत्र में देश–विदेश की घटनाएँ, खेल–कूद, सिनेमा, मौसम, नौकरी संबंधी विज्ञापन, बाजार–भाव, कृषि–व्यापार संबंधी सूचनाएँ और विशेषांकों में प्रकाशित हो रहे हैं।

उपसंहार:–आज व्यक्तियों का एक अभिन्न अंग बना समाचार पत्र से विद्यार्थीयों को बहुत ही लाभ है और वे इसका निरंतर उपयोग करके अपने ज्ञान को बढ़ाये और संसार के सभी विचारों को समझे।

08 - खेल का महत्व

प्रस्तावना:– कहा जाता है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। यदि मनुष्य अपना संपूर्ण विकास करना चाहता है तो उसके शरीर का स्वस्थ होना अति आवश्यक है।

खेल का संबंध:– खेल का संबंध मनुष्य के मन और मस्तिष्क से होता है। खिलाड़ी अपनी रुचि के अनुसार ही खेल चुनता है। रुचि तब तृप्त होती है, जब रुचि के अनुकूल मनुष्य को कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है। जैसे–जैसे मनुष्य को आत्मा–तुष्टि प्राप्त होती है, वैसे–वैसे उसका विकास होता जाता है।

खेल का महत्व:–खेल एक मनोरंजन का अच्छा साधन है तो दूसरी ओर समय के सदुपयोग का। मनोरंजन से मनुष्य की थकावट और उदासीनता दूर होती है। इसलिए मनुष्य विनोद को जीवन में अपनाता है। खेल के मैदान में खिलाड़ी खेलता है। वह खेलते समय दिनभर की थकान, घटनाएँ इत्यादि को भूल जाता है। खेल के मैदान में उसका मन निर्मल हो जाता है।

उपसंहार:–हम देखते हैं कि जीवन में खेल का बहुत महत्व है। दुर्भाग्य यह कि खेल और शिक्षा के संबंध में एक भ्रम हमेशा रहा है कि जो छात्र खिलाड़ी होता है, वह बुध्दिमान नहीं हो सकता, तो जो बुध्दिमान है, वह खिलाड़ी नहीं हो सकता। यह भ्रमपूर्ण है।

09 - मेरी पाठ शाला

प्रस्तावना:– बच्चे अपने घर पर ही अनौपचारिक शिक्षा पाकर औपचारिक शिक्षा पाने के लिए पाठ शाला में दाखिल होते हैं | यहाँ छात्रों को औपचारिक रूप से शिशा देकर उनका व्यक्तित्व बनाने का काम करता है |

विषय विश्लेषण :- मेरी पाठ शाला का नाम लोकसेवा निरत एम्.एसफ.द्यावे गौड़ सरकारी पदवी पूर्व कॉलेज (प्रौढ़ शाला विभाग) कोप्पा है | यहाँ 8वीं से 10वीं कक्षा तक पढ़ाया जाता है | और यहाँ हर क्लास में चार-चार विभाग है, हर विभाग में लग-भाग 60 से 70 छात्र पढाई कर रहें हैं | मेरी पाठ शाला में हर विषय के लिए अच्धे अनुभवी अध्यापक हैं ये सभी हमें अच्छी तरह पढ़ाते हैं | मेरी पाठ शाला में एक ग्रंथालय है जिस में लग-भाग 7000 से अधिक किताबें हैं | हम सभी इस ग्रंथालय से किताबें लेकर ;पढ़कर वापिस करते हैं | मेरी पाठ शाला में एक गार्डन भी है जिस में विभिन्न प्रकार के फूलों के पौधे हैं| जिस में कई प्रकार के रंग भी रंगे फूल खिलते हैं |इसके अलावा मेरी पाठ शाला में एक अध्यापकऔर छात्रों की सहकार संघ है | इस संघ से हमें कम दाम में नोट बुक, पेन, पेंसिल, एरेसर आदी स्टेशनरी सामान मिलते हैं | हमारी पाठ शाला में अनुशासन को बहुत महत्व स्थान दिया गया है | इससे छात्र अनुशासित होकर अच्छे जीवन मूल्यों को अपने जीवन में अपना लेते हैं |

उपसंहार:– "विद्या दादाची विनय नही ज्ञानेन सादृश्यम" इस उक्ती के अनुसार छात्रों का सर्वांगीण विकास के लिए पाठ शाला सुभद्र नीव ढाल्ता है | अच्छे समाज के निर्माण में पाठ शाला का योगदान महत्व पूर्ण है | जहां शिक्षा/विद्या नही वहां अभिवृद्धी नही |

10 - वन महोत्सव

प्रस्तावना:–हमारे देश में ही नहीं वरन पूरे विश्व में वनों का विशेष महत्व है। वन ही प्रकृति की शोभा के भंडार है। हमें वनों की आवश्यकता सर्वोपरी होने के कारण हमें इसकी रक्षा की भी आवश्यकता सबसे बढ़कर है।

आवश्यकता:–वृक्षों की आवश्यकता इसलिए होती है कि वृक्ष हमें सुरक्षित रखते हैं। उनके स्थान रिक्त न हो सकें क्योंकि अगर वृक्ष अथवा वन नहीं रहेंगे, तो हमारा जीवन शून्य होने लगेगा। एक समय ऐसा आयेगा कि हम जी भी नहीं पायेंगे। जीवन नष्ट होने के कारण यह हो जायेगा कि वनों के अर्थात प्रकृति का संतुलन बिगड़ जायेगा।

कार्यक्रम:–वन महोत्सव प्रसिध्द उपन्यासकार कन्हैयालाल माणिक लाल मुंशी की देन है। उन्होंने वन–संपदा के महत्व को समझकर ही उसकी सुरक्षा और वृक्षों के लिए जनता से अपिल की थी। इसके बाद तो अनेक नेताओं ने इस ओर विशेष ध्यान दिया। इनकी प्रेरणा जन–जन के मन में बैठ गई। १ जुलाई १९५० से भारत में प्रतिवर्ष इस दिन वन महोत्सव मनाया जाता है।

उपसंहार:–बढ़ी हुई भीषण जनसंख्या के कारण वनों के विस्तार की आवश्यकता इसलिए है कि इससे रोजगार और उत्पादक की मात्रा में वृध्दि हो सकें। सभी लोग खुशी से जीवन बिता सकें।

11 - समय का सदुपयोग

प्रस्तावना:– समय तीव्र गति से भाग रहा है। जिसने इसे पकड लिया, सफलता उसके चरण चूमती है। जिसने इसे गवाँ दिया है, वह हाथ मलता ही रह जाता है।

महत्व:– समय के सदुपयोग से ही जीवन का निर्माण हो सकता है। सफल व्यक्तियों के जीवन का इतिहास साक्षी है कि उन्होंने जीवन के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग किया है। जो महत्व जीवन का है, वही महत्व समय का है।

समय खोने का अर्थ है, जीवन को नष्ट करना। जो लोग समय का महत्व समझते हैं और उचित समय पर काम करते हैं। वे ही जीवन में सफल होते हैं। आज के वैज्ञानिक युग में तो समय का महत्व बहुत ही बढ़ गया है।

लाभ:– समय के सदुपयोग से हमें अनेक लाभ हैं। कई दिनों का कार्य कुछ ही समय में कर सकते हैं। अवसर के क्षणों को हमें आमोद–प्रमोद एवं सांस्कृतिक कार्यों में लगाना चाहिए। इससे हमारे व्यक्तित्व का पूर्ण विकास होगा तथा हम श्रेष्ठ नागरिक भी बन सकेंगे।

उपसंहार:–अगर हमारे देश का प्रत्येक मनुष्य आलस्य को त्यागकर समय का सदुपयोग करना आरंभ कर दें तो दिन–दूनी रात–चौगुनी उन्नति करने लगेगा।

12 - बेरोजगारी की समस्या

प्रस्तावना:– जब युवक–युवती को विद्याध्यायन समाप्त करने के बाद कोई काम नहीं मिलता, तो उस अवस्था को बेरोजगारी कहते हैं। काम के बिना रहना। ही बेरोजगारी है |

कारण:– भारत विकासशील देश है। अभी उसके पास इतने साधन नहीं है कि प्रत्येक को रोजगार दे सकें। आर्थिक विकास तथा रोजगार के अवसरों में कोई तालमेल भी नहीं हैं। बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण रोजगार चाहनेवाले हाथों की संख्या भी द्रुत गति से बढ़ रहीं है। उतनी द्रुत गति से संसाधनों का विकास नहीं हो पा रहा है।

निदान:–बेरोजगारी की समस्या का निदान सोच–विचारकर करना आवश्यक है। हमारे शासकों को देश की औद्योगिक, शैक्षिक तथा आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार करना जरूरी है। विदेशी पूँजी का विचार त्याग कर देशी पूँजी पर निर्भरता आवश्यक है।

उपसंहार:–बढ़ती हुई जनसंख्या भारत की अनेक समस्याओं की जड़ है। बेरोजगारी की समस्या भी उसमें से एक है। यदि भारत में जनसंख्या की वृध्दि पर नियंत्रण संभव हो जाय तो बेरोजगार ही नहीं, अन्य समस्याएँ भी हल हो सकती हैं ।

13 - राष्ट्रभाषा हिंदी

प्रस्तावना:– भारत एक महान एवं विशाल देश है। इसमें अनेक राज्य हैं। विभिन्न राज्यों की विभिन्न भाषाएँ हैं। उसमें संविधान में अठारह भाषाओं को मान्यता दी गयी है। उसमें हिंदी भाषा भी एक हैं। वह हमारे देश की राजभाषा है।

राष्ट्रभाषा:–हिंदी ही राष्ट्रभाषा हो–इसके पक्ष में अनेक तथ्य हैं। हिंदी की संसार में अधिक बोलनेवाली भाषाओं में तीसरा स्थान है। आज देश में अधिक प्रयोग करनेवाली, सरल भाषा है। भारत के अनेक महान लोग हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना चाहते हैं। हिंदी आज संपर्क, राज, राज्य और राष्ट्र की भाषा बन गयी है। कंप्यूटर के क्षेत्र में हिंदी का प्रभाव बहुत बड़ा है।

आवश्यकता:–देश को एक सूत्र में बाँधने के लिए तथा संसार के समक्ष अपनी प्रतिष्ठा स्थापित करने के लिए हिंदी राष्ट्रभाषा हो सकती है। आज जिन क्षेत्रों में अंग्रेजी का प्रभाव है, उन क्षेत्रों में हिंदी आसन ग्रहण करेगी।

उपसंहार:–हिंदी अब राष्ट्रीय ही नहीं, एक अंतराष्ट्रीय भाषा भी हैं। हम चेष्टा करें कि यह अपने देश में ही नहीं फूले–फले, वरन राष्ट्रसंघ में स्थान पाकर विश्व में अपनी ज्योती फैलाये।

14 - पर्यावरण–प्रदूषण

अर्थ:–परि+आवरण से बना पर्यावरण शब्द का अर्थ हमारे इर्द–गिर्द का वातावरण । हमारे आस–पास दिखाई देनेवाले पेड, पौधे, जल. स्थल और पर्वत–पानी सभी पर्यावरण के अंतर्गत आते हैं।

प्रकार:–पर्यावरण तीन प्रकार से प्रदूषित होता है। १] वायु या हवा प्रदूषण २] जल या पानी प्रदूषण ३] शब्द या ध्वनि प्रदूषण।

कारण:–पर्यावरण प्रदूषण का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या। जनसंख्या की अधिकता से सभी चीजों की माँग बढती हैं। इस माँग को पूरा करने के लिए कल–कारखानों की स्थापना की जाती है। इन कल–कारखानों से
निकलनेवाली धुआँ, रासायनिक द्रव और भोंपू से वायु, जल और ध्वनि प्रदूषित होता है। वाहनों की अधिकता से, अज्ञान के कारण तालाब, कुआँ और नदी का पानी को गलत इस्तेमाल करने से प्रदूषित होता है। इस प्रदूषण को

अधिनियम 1974, सुंदरलाल बहुगुणा जी के चिपको आंदोलन, वन संरक्षण और पर्यावरण की रक्षा हमारा कर्तव्य समझकर काम करने से हम पर्यावरण प्रदूषण को कुछ हद तक कम कर सकते हैं।

उपसंहार:– आज वनों की विनाश से वर्षा, जाडे और धूप इन तीन काल में अंतर देख रहे हैं और पृथ्वी का तापमान बढ़ने लगा है। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण की रक्षा में अधिक ध्यान दे।